|| जय महेश ||

ढाट माहेश्वरी सन्देश

त्रि-मासिक पत्रिका

अंक-8 | जनवरी-2018

प्रकाशक

ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ ढाट माहेश्वरी समाज

रजी. नं. : F1306/ABD

तंत्री की कलम से...

अभयमन्यु ईसरदास चंदीरा

अभयमन्यु ईसरदास चंदीरा
टीम पत्रिका,

"ढाट माहेश्वरी सन्देश" नए रूप में भाया। आपने गागर में सागर भर दिया।

ढाटी समाज के सितारे, छाछरे के गाँधी एवम श्री लेखराज जी का प्रेरणात्मक वर्णन, भगत परंपरा का संक्षित परिचय, समाज के विविध गाओंकी प्रवृत्तियों का चित्रात्मक वर्णन, समाज के चमकते सितारे, मधुर कविताये, समाज के व्यक्ति ओका विविध क्षेत्रों में योगदान।

आपका साधुवाद।

भगवान हरानी
पुणे महाराष्ट्र

प्रिय वाचक,

भारत वर्ष त्यौहारों का देश है। एक त्यौहार पूरा होता है वहा दूसरा त्यौहार शुरू होने को तैयार होता है। हम भारत वर्ष में पुराने त्यौहार मनाते ही है लेकिन उसके साथ में साथ में अन्य धर्म के या विदेश से आये हुए त्यौहारो को भी उतने ही सन्मान और धामधूम से मनाते है। जैसे अभी हमारा दीपावली का त्यौहार पूरा हुआ जो भारत का सबसे बड़ा त्यौहार माना जाता है, काफी लम्बा चलता है। स्कूलों में भी दीपावली वेकेशन होता है। व्यपारियो को भी वेकेशन होता है, लोगो का एक दूसरे से दीपावली का मिलना तथा पर्यटक स्थलों पर घूमना अभी अभी समाप्त हुआ है। और आगे अंग्रेजी नव वर्ष बदलने को जा रहा है वह भी हम लोग धाम धूम से मनाते है। और उससे आगे संक्रांति का त्यौहार है। केहने का अर्थ यह है की त्यौहार सिर्फ न हमारे दिमाग में है लेकिन दिल में भी उतने ही है। त्यौहारों को सेलिब्रेट करके खुशी पाते है और अन्यो को भी खुशी में शामिल करते है। त्यौहार का मनाना अपना जीवन खुश होने का प्रतिक भी है। आगे किसी भी काम काज के लिए Energy Tonic है।

संपादकिय लेख के दूसरे चरण में हमारे रीति रिवाज की उपस्थिति और उसकी लयता पे द्रष्टि करने की कोशिश कर रहा हु। हम सब ढाटी समाज के बंधू एक दूसरे से काफी जुड़े हुए है। काम काज या नौकरी-धंधे या पढाई के कारण दूर दूर रहते है। परन्तु नयी संचार पद्धति, मीडिया, स्मार्ट फोन तथा नेट के कारण और अच्छे रोड और अच्छी वाहन व्यव्हार की व्यवस्था के कारण हमारा आपस में मिलना या एक दूसरे से पहचान बनाये रखना सहज हो गया है। इसी बीच यह कहना चाहुंगा की नयी युवा पेढी के कारण नए समाजीक संगठन खड़े हुए और वो भी आपसी मेल मिलाप में मददगार हुए और इन सब बातों के लिए हमारी सुद्रढ़ आर्थिक परिस्थिति भी मायने रखती है।

यहाँ मैं इस लेख के माध्यम से सामाजिक सुधार या समाज को बदल डालो के बारेमे नहीं लिख रहा हु लेकिन यह बताने की कोशिश कर रहा हु की हमारे रीति-रिवाज पुराने थे जो आज वैसे के वैसे नहीं रहे। उन् पुराने रीति रिवाजो में कुछ अच्छाइया या कुछ बुराइया भी थी, लेकिन समय के साथ वे भी बदलते रहे है और उनमे जड़ता नहीं है। रीति रिवाजो का पालन करना व्यक्तिकी आर्थिक व् भौगोलिक परिस्थिति, उस व्यक्तिके फेमिली का समाज में उस समय का मान-पान, व्यक्तिका स्वाभाव और खुद की अनुकूलता भी देखी जाती है। गुजरात, राजस्थान या पाकिस्तान में रहता बंधू की लाइफ स्टाइल में भी फरक होता है और शादी-ब्याह, सगाई या शोक प्रसंगो के वक्तरीति-रिवाजो के पालन में भी फरक होता है और सामाजिक स्तर पर इस बात को हम सहज रूप से स्वीकार भी करते है। साम्प्रत समय में क्या सही है या किस तरह से रीति रीवाजो का पालन करना संपूर्ण तह आप खुद पे निर्भर है। आप वही करे जो आप का मन कहे, वही सही है। कही कोई लिखित रीति रिवाज नहीं है।

हमारे हिन्दू समाज में कोई भी त्यौहार या रीति रिवाज में भगवान की पूजा-अर्चना होती है उसके पश्चात प्रसादी होती है। समय के चलते चलते वह प्रसादी महा-प्रसादी बन गयी और आगे जाके वह एक बड़े उत्सव में परिवर्तित हुई और उत्सव के निमित में उसके संमारम्भ भी बड़े होने लगे। जिसकी वजह से लेन-देन और भोजन संमारम्भ और उसके पीछे की सजावट में अति आधुनिकता सम्मलित हुई। और जिसके कारण सारे अवसर खर्चीले बन गए और समाज में सब परिवारों को एक सामान दिखने के चक्कर में कुछ परिवारोंको काफी मुश्किलो से गुजरना पड़ता है। मतलब प्रसंग पूर्ण करना, किस स्तर पर पूर्ण करना आप पे और आपके परिवार पर निर्भर है और इसमें कहा जाने वाला समाज का ढांचा (ड्ढठ्ठक्द्बह्यद्बड्डद्ग ह्यह्लह्स्ह्वष्ह्लह्वह्स्द्र ऌ ह्यूष्द्बद्गह्लट) कही भी बीच में नहीं आता।

अभयमन्यु ईसरदास चंदीरा, अहमदाबाद
8160726684, 7069876733
fpatrika733@gmail.com

विकास अे. चांडक — हरीश अे भूतड़ा — सुरेश के राठी — नविन पी. कड़वा — मीनू जी. कचोरिया

टीम पत्रिका सपोर्टर

भवानी जी. मोहता

ऑल इण्डिया फेडरेशन ऑफ ढ़ाट माहेश्वरी समाज – मेडि-क्लेम बीमा योजना

ऑल इण्डिया फेडरेशन ऑफ ढ़ाट माहेश्वरी समाज (AIFDMS) द्वारा मेडि-क्लेम रिलीफ फण्ड इकट्ठा करने के लिए सितम्बर, 2015 में हरिद्वार में भागवत कथा का आयोजन किया गया **जिसमें समाज के दाताओं के सहयोग से करीब एक करोड़ चालीस लाख रुपए की राशि एकत्रित की गई जिसका उपयोग समाज के जरूरतमंद परिवारों की चिकित्सा सम्बन्धी जरूरत के समय सहयोग करना था।** संस्था द्वारा ऐसे परिवार जो आर्थिक रूप से सक्षम नहीं थे, उन्हें बीमारी की अवस्था में Rs.50000/- की आर्थिक सहायता दी जाती थी। 28.2.2016 तक करीब 16 परिवारों को अधिकतम Rs.50000/- की सहयोग राशि के हिसाब से करीब पाँच लाख रुपए का सहयोग किया गया।

ऐसे सभी जरूरतमंद परिवारों को भविष्य में आर्थिक सहायता की जरूरत नहीं हो और उन्हें बीमारी के समय डेढ़ लाख रुपए तक का सहयोग मिल सके जिससे सभी परिवार स्वाभिमान से अपना इलाज करा सके, इसलिए ऐसे सभी परिवारों को मेडि-क्लेम बीमा पॉलिसी दिलाने का प्रयास किया गया। 1.3.2016 से 28.2.2017 तक 932 परिवारों का डेढ़ लाख रुपए तक का बीमा करीब 43 लाख रुपए की प्रीमियम राशि का भुगतान करके New India Assurance Company Limited से लिया गया, इसमें से **करीब 620 परिवारों के लिए 30 लाख रुपए की सहयोग राशि का भुगतान संस्था द्वारा किया गया।**

इसमें से 140 परिवारों को बीमा कंपनी से करीब 45 लाख रुपए के क्लेम स्वीकृत हुए। इसके अतिरिक्त 29 क्लेम बीमा कंपनी से समय पर स्वीकृत नहीं हुए थे, जिनके निपटारे के लिए संस्था द्वारा प्रधानमंत्री कार्यालय (Prime Minister Office) तक शिकायत की गई है, जो अभी लम्बित (Pending) हैं। सदस्यों को क्लेम राशि मिलने में देरी नहीं हो, इसलिए इन सभी सदस्यों को संस्था द्वारा **में संस्था द्वारा करीब 13.70 लाख रुपए की सहयोग राशि दी गई।**

इस वर्ष ढ़ाट माहेश्वरी समाज का कोई भी व्यक्तिजिसकी उम्र 65 वर्ष तक थी, वह इस पॉलिसी का प्रस्ताव रख सकता था। इस पॉलिसी में प्रस्तावक के अलावा उसकी पत्नी, उसके दो बच्चे (लड़का या लड़की अथवा दोनों लड़के या दोनों लड़की, जिनकी उम्र 25 वर्ष तक हो) सदस्य हो सकते थे। **इसके अलावा 79 वर्ष तक के उसके माता-पिता भी सदस्य हो सकते थे.** विवाहित पुत्र अथवा पुत्री को अपने पिता से अलग पॉलिसी लेनी थी। पिछले वर्ष प्रस्तावक, उसके माता -पिता एवं बच्चों की अधिकतम उम्र क्रमशः 55 वर्ष, 71 वर्ष एवं 21 वर्ष थी. **पिछले वर्ष प्रसव (Delivery) पर खर्चा पॉलिसी शुरू होने के नौ महीने बाद मिलता था, इस बार पहले दिन से क्लेम मिल रहा हैं.**

पिछले वर्ष डेढ़ लाख रुपए के बीमे पर Rs.4600/- प्रीमियम राशि का भुगतान किया गया. इस वर्ष दो लाख एवं पाँच लाख रूपए की पॉलिसी पर क्रमशः Rs.4000/- एवं Rs.10000/- की प्रीमियम राशि ली गई। इस तरह पिछले वर्ष प्रति लाख रुपए पर Rs.3067/- प्रीमियम की जगह नई पॉलिसी Rs.2000/- पर ली गई. **यदि इस पॉलिसी की तुलना सदस्य द्वारा ली जाने वाली व्यक्तिगत पॉलिसी से करे तो यह पॉलिसी बहुत ही कम प्रीमियम राशि पर अधिक अच्छी शर्तों के साथ ली गई हैं.**

1850 परिवारों के करीब 8000 सदस्यों के लिए ली हुई नई पॉलिसी के सदस्यों का आयु प्रकार (Age Wise) **एवं बीमा कम्पनी द्वारा व्यक्तिगत पॉलिसी पर लिया जाने वाला प्रति व्यक्ति प्रीमियम** (New India Assurance Company Limited की वेब-साइट www.newindia.co.in के अनुसार) नीचे टेबल में दिया हुआ हैं :

आयु प्रकार (Age Wise)	Upto 18 Years	18-35 Years	36-45 Years	46-50 Years	51-55 Years	56-60 Years	61-65 Years	66-79 Years
नई पॉलिसी के सदस्यों की संख्या	1889	2093	1295	582	531	522	458	630
दो लाख का प्रति व्यक्ति प्रीमियम	1314	2510	3186	5980	8855	9773	12511	-------
पाँच लाख का प्रति व्यक्ति प्रीमियम	2079	4052	5166	9773	14514	16026	20540	-------

1. Once the Insured Person crosses the age of 65 years, the applicable premium on renewal will be loaded by 2.5% per year. This loading is applicable on premium for the age band of 61 years to 65 years.
2. Discount of 5%, 10% & 15% is given when there is two, three & four and more members in a family.

करीब 7.68 लाख रुपए की सहयोग राशि इस शर्त पर दी गई है कि जब कभी भी बीमा कंपनी द्वारा क्लेम निपटाया जाएगा तब संस्था द्वारा उनको मिली हुई राशि वापिस लौटा दी जाएगी। लाभान्वित व्यक्तियों की सूची पेज संख्या . ... पर हैं.

पहले वर्ष क्लेम राशि ज्यादा आने की वजह से बीमा कंपनी द्वारा संस्था की पॉलिसी के नवीनीकरण (Renewal) के लिए मना किया गया फिर भी समाज के अधिकतम सदस्यों को नई पॉलिसी अच्छी शर्तो पर मिलें, इसके लिए प्रयत्न करके 1850 परिवारों के करीब 8000 सदस्यों के लिए नई पॉलिसी **1 मार्च, 2017 से संस्था द्वारा 96.30 लाख रुपए की प्रीमियम राशि का भुगतान करके New India Assurance Company Limited से ली गई जिसमें से करीब 325 जरूरतमंद परिवारों के लिए दो लाख रुपए की मेडि-क्लेम पॉलिसी**

यदि कोई सदस्य नई व्यक्तिगत पॉलिसी लेता हैं तो प्रस्तावक की उम्र 65 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। बीमा कम्पनी द्वारा 65 वर्ष से अधिक उम्र होने पर नई पॉलिसी नहीं दी जाती हैं। साथ ही प्रस्तावक की उम्र 50 वर्ष से अधिक होने पर उसका मेडिकल चेकअप होता हैं और कोई भी मौजूदा बीमारी का क्लेम चार साल तक नहीं मिलता हैं। व्यक्तिगत पॉलिसी पर बीमा कम्पनी द्वारा ली जाने वाली प्रीमियम राशि ग्रुप मेडि-क्लेम बीमा पॉलिसी की तुलना में छः से आठ गुना ज्यादा हैं.

उदाहरण के लिए 61 से 65 वर्ष के व्यक्तिको, यदि उसके परिवार में उसकी पत्नी 61-65 वर्ष की हैं, पुत्र-पुत्र वधु 40-45 वर्ष की उम्र के हैं और पौत्र- पौत्री 10-12 वर्ष के हैं, तो उसे दो लाख रुपए एवं पाँच लाख रुपए के बीमे पर क्रमशः

Rs.34022/- एवं Rs. 55570/- प्रीमियम राशि का भुगतान करना पड़ता हैं, **जबकि उससे अच्छी शर्तों पर ऑल इण्डिया फेडरेशन ऑफ ढ़ाट माहेश्वरी समाज की ग्रुप मेडि-क्लेम बीमा पॉलिसी में व्यक्तिगत पॉलिसी की प्रीमियम राशि के सिर्फ 12 एवं 18 प्रतिशत से भी कम खर्चे में दो लाख पर चार हजार रुपए एवं पाँच लाख रुपए की पॉलिसी पर दस हजार रुपए की प्रीमियम राशि पर ली गयी हैं, जिसमे किसी भी प्रकार का मेडिकल चेकअप नहीं करवाना पड़ा हैं और पहले दिन से ही मौजूदा (Existing) बीमारी का क्लेम मिला हैं.**

यदि यही पॉलिसी व्यक्तिगत ली जाती तो 1800 परिवारों द्वारा करीब साढ़े चार करोड़ रुपए की प्रीमियम राशि का भुगतान करना पड़ता जिसके स्थान पर संस्था द्वारा सिर्फ 96.30 लाख रुपए की प्रीमियम राशि का भुगतान करके ली गई हैं. इस तरह संस्था द्वारा पूरे समाज के करीब 3.50 करोड़ रुपए की बचत की गई है, साथ ही मेडिकल चेकअप का कोई अतिरिक्तखर्चा नहीं करना पड़ा था और कोई भी बीमारी का क्लेम पहले दिन से स्वीकृत होना शुरू हो गया था.

किसी भी ग्रुप मेडि-क्लेम बीमा पॉलिसी में सारे लाभ के साथ नुकसान की संभावना भी रहती है। जब कभी भी क्लेम रेश्यो ऊँचा आता है तो बीमा कंपनी एक महीने के नोटिस पर पॉलिसी को निरस्त कर सकती है। तब फिर से दूसरी कंपनी से नई पॉलिसी बहुत ही ऊ ची प्रीमियम पर लेनी होती है। समाज की पॉलिसी शुरू होने के ढाई महीने में ही करीब 100 क्लेम आ चुके थे और यदि इसी तरह से पूरे वर्ष क्लेम आते तो अंदाजित न्यूनतम 600 क्लेम आने की संभावना थी। यदि क्लेम राशि को नियंत्रित नहीं किया जाता तो 200 क्लेम (अंदाजित क्लेम राशि डेढ़ करोड़ रुपए) के आने पर पॉलिसी के लिए निरस्तीकरण (Cancellation) की नोटिस मिल जाती और पॉलिसी पूरे साल भर चलने की जगह तीन महीने में ही खत्म हो जाती। इससे पॉलिसी का लाभ सिर्फ 200 परिवारों को मिलता और 1650 परिवारों को इसका नुकसान होता । इसलिए संस्था द्वारा वर्किंग कमेटी की मीटिंग 14.05.2017 को रखी गई जिसमें समाज द्वारा ली हुई पॉलिसी की विस्तृत चर्चा की गई और चर्चा-विचारणा के बाद निम्न निर्णय लिया गया।

ऑल इण्डिया फेडरेशन ऑफ ढ़ाट माहेश्वरी समाज (AIFDMS) द्वारा ली हुई मेडि-क्लेम बीमा पॉलिसी में बीमारी के अनुसार खर्च की सीमा रखी जाए ताकि इस पॉलिसी का लाभ अधिकतम परिवारों को मिल सके। खर्च की सीमा अपने समाज के अनुभवी डॉक्टर्स की सलाह के बाद मध्यम स्तर के अस्पताल के अनुसार रखी जाए, जिसकी सूचना अलग से दी जाए. परिवार में एक व्यक्तिके लिए अधिकतम सीमा डेढ़ लाख रुपए (जिनका बीमा पांच लाख रुपए का लिया हुआ है) एवं एक लाख रुपए (जिनका बीमा दो लाख रुपए का लिया हुआ है) रखें। साथ ही माता-पिता के लिए होने वाले खर्चे में पॉलिसी होल्डर अब 10 प्रतिशत की जगह 20 प्रतिशत खर्च वहन करें।

उदाहरण के लिए एक परिवार जिसने पाँच लाख रुपए का बीमा लिया है, उसमे प्रस्तावक के साथ उसकी पत्नी, दो बच्चे एवं माता-पिता हैं. प्रस्तावक को यदि एन्जिओप्लास्टी करानी हो और उसका खर्चा दो लाख होता हैं तो उसे अधिकतम डेढ़ लाख रुपए ही मिलेगा। यदि प्रस्तावक के पिताजी का साथ में ही घुटने बदलवाने का ऑपरेशन हैं और उसका खर्चा दो लाख रुपए होता हैं तो उसे 1.20 लाख रुपए मिलेगा (अधिकतम डेढ़ लाख रुपए में से 20 % को-पेमेंट माता अथवा पिता के लिए कम होगा). अब दो महीने बाद यदि उसकी पत्नी का बड़ा ऑपरेशन होता हैं और उसका खर्चा 2.50 लाख रुपए होता हैं तो उसे अधिकतम डेढ़ लाख रुपए का क्लेम फिर से मिलेगा। चौथी बार में यदि उसके बच्चे बीमार होते हैं और उसका खर्चा डेढ़ लाख रुपए होता हैं तो उसे अधिकतम उपलब्ध बीमा राशि अस्सी हजार (क्योंकि चार लाख बीस हजार पहले ले चुका होता हैं) तक का क्लेम मिलेगा।

इस तरह पूरे साल में चार बार में अधिकतम डेढ़ लाख रुपए क्लेम की मर्यादा के साथ पाँच लाख रुपए का क्लेम मिलेगा। इसी तरह दूसरा परिवार जिसने दो लाख रुपए का बीमा लिया हुआ है, उसे भी अधिकतम एक लाख रुपए क्लेम की मर्यादा के साथ अलग अलग समय में पूरे साल में दो लाख रुपए तक का क्लेम मिलेगा। इस तरह बीमा राशि में कमी नहीं की गयी हैं बल्कि परिवार के सभी सदस्यों के उपयोग के लिए अथवा किसी भी सदस्य के लिए बार-बार बीमार होने पर खर्च करने के लिए बाँटी गयी हैं ताकि अधिकतम परिवारों को इसका लाभ मिल सके.

संस्था द्वारा मीटिंग में यह भी निर्णय किया गया कि यदि जरूरतमंद परिवार होगा तो वर्किंग कमेटी के 81 सदस्यों में से किसी भी सदस्य की अनुशंसा पर उसे बीमारी के खर्चे के लिए पूरी बीमा राशि उपलब्ध करवाई जाएगी।

संस्था द्वारा प्रकाशित की जा रही त्रिमासिक पत्रिका ढ़ाट माहेश्वरी संदेश (जिसे पूरे भारत में बिखरे हुए 5000 परिवारों तक पहुँचाया जाता हैं) के मई 2017 अंक में इसकी विस्तृत जानकारी दी गई थी जिससे सभी पॉलिसी लेने वाले अपने परिवार के लिए वैकल्पिक व्यवस्था कर सकें। साथ ही इस संदेश को Whatsapp द्वारा समाज के अधिकतम परिवारों तक पहुँचाने का प्रयास किया गया। संस्था के सभी वर्किंग कमेटी के सदस्यों से भी यह विनती की गई थी कि अपने अपने क्षेत्र में समाज के सभी परिवारों तक इस संदेश को पहुँचाएं।

संस्था द्वारा दोबारा मेडि-क्लेम बीमा योजना के बारे में ढ़ाट माहेश्वरी संदेश के अक्टूबर 2017 अंक में जानकारी प्रकाशित की गई थी ताकि अधिकतम पॉलिसी लेने वाले अपने परिवार के लिए वैकल्पिक व्यवस्था कर सके. इस तरह समाज के सभी परिवारों तक, विशेष रूप से जिन परिवारों ने यह मेडि-क्लेम पॉलिसी ली हैं, उन सभी परिवारों तक यह जानकारी दी गई थी.

इस तरह समाज की मेडि-क्लेम पॉलिसी लेने वाले सभी सदस्यों के सहयोग से यह पॉलिसी नवम्बर, 2017 के तीसरे सप्ताह तक अच्छी तरह चलती रही, लेकिन अन्तिम सप्ताह में बीमा कंपनी द्वारा 31.12.2017 के बाद पॉलिसी को निरस्त किए जाने की संभावना बताई गई, जिसे Whatsapp संदेश एवं वर्किंग कमेटी के सभी सदस्यों द्वारा जिन सदस्यों ने मेडि-क्लेम पॉलिसी ली थी, उन्हें इसकी जानकारी दी गई थी ताकि ऐसे सदस्य जिनके पास कोई दूसरी पॉलिसी नहीं हो तो वह तुरन्त नई व्यक्तिगत पॉलिसी ले सकें।

मेडि-क्लेम पॉलिसी की विस्तृत चर्चा-विचारणा के लिए 17.12.2017 को वर्किंग कमेटी की मीटिंग बुलाई गई जिसमें मेडि-क्लेम की वर्तमान स्थिति के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। मीटिंग के दौरान सदस्यों को बताया गया की **16.12.2017 तक कुल 425 क्लेम मिले थे जिसमें 328 क्लेम पर 1.10 करोड़ रुपए की राशि बीमा कंपनी द्वारा चुकाई गई, लाभान्वित व्यक्तियों की सूची पेज संख्या. ... पर हैं.**

यदि लाभान्वित व्यक्तियों की उम्र के अनुसार विश्लेषण किया जाए तो पाएँगें की आधे के करीब 154 क्लेम में स्वीकृत 1.10 करोड़ रुपए की राशि का 60% करीब 66.39 लाख रुपए पचास वर्ष के ऊ पर के व्यक्तियों को मिला हैं, जिन्हे नई व्यक्तिगत पॉलिसी पर मेडिकल चेकअप करवाना पड़ता और जिनको मौजूदा (Existing) बीमारी का क्लेम भी नहीं मिलता। स्वीकृत क्लेम का आयु प्रकार (Age Wise) विश्लेषण नीचे किया हुआ हैं

इसी तरह यदि स्वीकृत क्लेम का बीमारी के अनुसार विश्लेषण किया जाए तो पाएँगे की 328 क्लेम में से मोतियाबिंद (Catarac) के 29 क्लेम के Rs.4.80 लाख, प्रसव (Delivery) के 44 क्लेम के लिए Rs.9.12 लाख, घुटने बदलने (Knee Replacement) के 10 क्लेम के लिए Rs.16.00 लाख एवं Heart Problem के 18 क्लेम के लिए Rs.22 लाख दिए गए हैं.

आयु प्रकार (Age Wise)	66-79 Years	61-65 Years	56-60 Years	51-55 Years	46-50 Years	36-45 Years	Upto 35 Years
क्लेम संख्या	60	36	28	30	23	38	113
स्वीकृत राशि (लाख रुपए में)	29.22	16.41	8.14	12.62	7.84	12.05	13.82

26 क्लेम तकनीकी कारणों जैसे जन्म से बीमारी एच.आई.वी. संक्रमित, कॉस्मेटिक सर्जरी, मनोवैज्ञानिक रोगी आदि जिन्हें किसी भी पॉलिसी में बीमा क्लेम नहीं मिलता है, के कारण निरस्त किए गए। शेष ७१ क्लेम का बीमा कंपनी द्वारा निपटारा किया जाना बाकी है। इनमें से 42 क्लेम के Document Submit किए गए हैं, 11 क्लेम में बीमा कम्पनी की Query का जवाब दिया गया है एवं 18 क्लेम में सूचना दी गई है (सदस्य द्वारा अस्पताल से छुट्टी के बाद Document Submit करने के बाद क्लेम का निपटारा किया जाएगा).

संस्था द्वारा 17.12.2017 की वर्किंग कमेटी की मीटिंग में यह निर्णय लिया गया है कि संस्था द्वारा पॉलिसी को 28.2.2018 तक चलाया जाए। यदि बीमा कंपनी पॉलिसी को बीच में निरस्त करती है तो संस्था द्वारा हरिद्वार में भागवत कथा में इकट्ठे किए मेडि-क्लेम रिलीफ फण्ड के वर्तमान में उपलब्ध 94.40 लाख रुपए की राशि में से क्लेम निपटारे किए जाए। संस्था को समाज के दाताओं द्वारा मिली हुई दान की राशि जरूरतमंद परिवारों तक पहुँचे, इसलिए यह निर्णय लिया गया कि अब से घुटने बदलवाने (Knee Replacement) के लिए क्लेम स्वीकार नहीं किया जाएगा एवं अन्य बीमारियों के लिए वर्किंग कमेटी के स्थानीय सदस्य द्वारा उचित राशि की अनुशंसा पर मेडि-क्लेम बीमा योजना के कन्वेनर श्री हरीश माहेश्वरी द्वारा राशि स्वीकृत की जाएगी।

समाज के सभी बन्धुओं जिन्होंने मेडि-क्लेम पॉलिसी ली है, उनसे विनती है कि यदि उनके पास अन्य कोई पॉलिसी है, तो कृपया उस पॉलिसी को प्राथमिकता देकर उसी पॉलिसी से क्लेम लें जिससे संस्था का मेडि-क्लेम रिलीफ फण्ड के लिए इकट्ठी की हुई राशि का अधिकतम उपयोग समाज के जरूरतमंद परिवारों को मिल सके। साथ ही ऐसे सदस्य जिनके पास अन्य कोई पॉलिसी नहीं हैं, उनसे विनंती हैं की एक जनवरी, 2018 से अपनी नई पॉलिसी तुरन्त लें, ताकि बीमारी की अवस्था में उन्हें अधिकतम राशि का लाभ मिल सके।

सभी परिवारों से विनंती हैं की ऐसे अस्पतालों में इलाज करवाने में प्राथमिकता दे जहाँ कैशलेस सुविधा हो ताकि Reimbursement क्लेम करने में कम परेशानी हो. जब कभी भी मरीज अस्पताल में भर्ती किया जाए तो तुरंत उसकी सूचना E-mail (mcshah77@gmail.com) अथवा SMS द्वारा श्री मनसुखभाई शाह को मोबाइल नंबर 94266 97133 पर अथवा कार्यालय फोन नंबर 079 26303020 पर सुबह नौ बजे से शाम छः बजे तक (बुधवार से सोमवार) करे.

जब मरीज को अस्पताल से छुट्टी दी जाए तो सात दिन के भीतर क्लेम फॉर्म Original डॉक्युमेंट्स एवं Investigation रिपोर्ट के साथ कार्यालय पते ऑल इण्डिया फेडरेशन ऑफ ढ़ाट माहेश्वरी समाज, 1-2, स्मृति अपार्टमेंट, पॉलिटेक्निक के सामने, पांजरापोल चार रास्ता, अम्बावाड़ी, अहमदाबाद (गुजरात) पर जमा कराए (079 26303020) । विलम्ब होने पर क्लेम बीमा कम्पनी द्वारा खारिज किया जा सकता हैं.

विशेष सूचना : समाज के सभी बन्धुओं जिन्होंने ऑल इण्डिया फेडरेशन ऑफ ढ़ाट माहेश्वरी समाज द्वारा चलाई जा रही मेडि-क्लेम बीमा योजना में पॉलिसी ली थी, उन सभी को सूचित किया जाता हैं की **बीमा कम्पनी ने ऑल इण्डिया फेडरेशन ऑफ ढ़ाट माहेश्वरी समाज द्वारा ली हुई पॉलिसी को नवीनीकरण (Renewal) के लिए मना कर दिया हैं. अत: सभी से विनंती हैं की तुरंत अपनी नई पॉलिसी किसी भी बीमा कंपनी से** ले.

28.2.2018 के बाद मेडि-क्लेम बीमा योजना के सदस्यों की जवाबदारी संस्था की नहीं होगी।

जय महेश.

हरीश माहेश्वरी, गाँधीधाम, (M) 98252 26249
कोषाध्यक्ष, ऑल इण्डिया फेडरेशन ऑफ ढ़ाट माहेश्वरी
एवं कन्वेनर मेडि-क्लेम बीमा योजना

LIST OF DONORS FOR ALL INDIA FEDERATON OF DHAT MAHESHWARI SAMAJ'S QUARTERLY MAHESHWARI SANDESH FOR FINANCIAL YEAR 2017-18

SR.NO.	AREA	MEMBER'S NAME
1	AHMEDABAD	ABHIMANYU ISARDAS CHANDIRA
2	AHMEDABAD	ANILKUMAR TULJARAM MAHESHWARI
3	AHMEDABAD	ARJUNDAS JAGUMAL RATHI
4	AHMEDABAD	BHARATKUMAR VISHANDAS RATHI
5	AHMEDABAD	BHAVANISHANKAR GAUTAMDAS MOHTA
6	AHMEDABAD	CHETANKUMAR ABHIMANYU GOKLANI
7	AHMEDABAD	DHARAMDEV MANEKLAL RATHI
8	AHMEDABAD	DINESHKUMAR GHANSHYAMDAS CHANDAK
9	AHMEDABAD	HARISHKUMAR SUKHRAMDAS BHUTDA
10	AHMEDABAD	HASMUKH JERAMDAS BACHANI
11	AHMEDABAD	I.P.MAHESHWARI
12	AHMEDABAD	KARANMAL DUNGROMAL MAHESHWARI
13	AHMEDABAD	MANUBHAI DEVJIBHAI HARANI
14	AHMEDABAD	NARENDRAKUMAR P. MATHRANI
15	AHMEDABAD	PHARASRAM LAXMANDAS KACHORIA
16	AHMEDABAD	PITAMBERDAS BHOMJIMAL RATHI
17	AHMEDABAD	PRAHLAD AKHOMAL RATHI
18	AHMEDABAD	PRAKASH C. RATHI
19	AHMEDABAD	RAJENDRAKUMAR BHOMRAJ RATHI
20	AHMEDABAD	SURESHKUMAR KISHANLAL RATHI
21	AHMEDABAD	VIDHYABEN CHATURBHUJ MALPANI
22	ANAND	BHARATKUMAR JAGDISHCHANDRA MAHESHWARI

SR.NO.	AREA	MEMBER'S NAME
23	ANAND	MADANLAL GIRDHARILAL SANJHIRA
24	ANAND	VASUDEV GANESHDAS BHOOTADA
25	BORSAD	DILIPKUMAR YUDHISHTHIR CHANDIRA
26	BORSAD	MADANLAL BALKRISHNA CHANDIRA
27	BORSAD	GAUTAMDAS KANJIMAL BHUTDA
28	TARAPUR	ASHOKKUMAR GORDHANDAS SHARDA
29	TARAPUR	TARAPUR ROYAL STRIKER CRICKET TEAM
30	BORSAD	DINESHKUMAR ARJUNDAS SHARDA
31	MODASA	AMOLAKHDASUTTAMCHAND GOKLANI
32	MODASA	1. HARIOM INDUSTRIES ,GANESPUR, MODASA 2. TANUMAL DAMOMAL RATHI & BROTHERS, MODASA
33	MODASA	RAVISHANKAR GORDHANDAS CHANDIRA
34	MODASA	SUNILKUMAR KASTURCHAND CHANDAK
35	BHILDI	JHAMANDASCHELARAM MULANI
36	BHILDI	MADANLAL RATANLAL MOHTA
37	DEESA	ARJUNDAS GHANSHYAMDAS RATHI (SAJNANI)
38	DEESA	KANTILAL PARMANANDDAS MAHESHWARI
39	DEESA	VIJAYKUMAR MATHURDAS KELLA
40	PALANPUR	B. SHARDA LIEF SCIENCE SYRUP MANUFACTURING UNIT - 9824332266
41	PALANPUR	JAIPRAKASH BHAGCHAND KELLA
42	PALANPUR	PRAKASHKUMAR ROOPCHAND MAHESHWARI
43	BANGALORE	DR. VASU DEO MEGHRAJ SHARDA (AKHANI)

पालनपुर महिला मंडल की विविध प्रवृत्तियाँ

एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स किट वितरण चौधरी
स्कूल आकेसन गांव - पालनपुर महिला मंडल

ब्लड डोनेशन कैंप - पालनपुर महिला मंडल

कड़वा चौथ - पालनपुर महिला मंडल

अहमदाबाद ढाट माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा दिवाली त्यौहार घर की वडील महिलाये तथा मणिनगर महिला भजन मंडली के साथ सन्मान ऐवम सेलिब्रेशन

डीसा महिला मंडल की विविध प्रवृत्तियाँ

अन्नकक्कूट प्रदर्शनी – महिला मंडल डीसा

दिवाली स्नेहमिलन – महिला मंडल डीसा

जन्माष्टमी सेलिब्रेशन – महिला मंडल डीसा

शरद पूनम – महिला मंडल डीसा

बाड़मेर जिला माहेश्वरी समाज मीटिंग गडरा रोड

करवा चौथ पर्व - माहेश्वरी महिला मण्डल चोहटन

नवरात्री महोत्सव - माहेश्वरी समाज रानीवाड़ा

शबरीमाला

केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम से 175 किमी की दूरी पर पंपा है और वहाँ से चार-पांच किमी की दूरी पर पश्चिम घाट से सह्याद्रि पर्वत श्रृंखलाओं के घने वनों के बीच, समुद्रतल से लगभग 1000 मीटर की ऊंचाई पर शबरीमाला मंदिर स्थित है। यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा तीर्थ माना जाता है, जहां हर साल करोड़ों की संख्या में श्रद्धालु आते है।

शबरीमाला शैव और वैष्णवों के बीच की अद्वैत कड़ी है। मलयालम में 'शबरीमाला ' का अर्थ होता है, पर्वत। वास्तव में यह स्थान सह्याद्रि पर्वतमाला से घिरे हुए पथनाथिटा जिले में स्थित है। पंपा से शबरीमाला तक पैदल यात्रा करनी पड़ती है। यह रास्ता पांच किलोमीटर लंबा है।

पौराणिक कथाओं अनुसार:

कंब रामायण, महाभागवत के अष्टम स्कंध और स्कंदपुराण के असुर कांड में जिस शिशु शास्ता का जिक्र है, अयप्पन उसी के अवतार माने जाते हैं। कहते हैं, शास्ता का जन्म मोहिनी वेषधारी विष्णु और शिव के समागम से हुआ था। उन्हीं अयप्पन का मशहूर मंदिर पूणकवन के नाम से विख्यात 18 पहाडि़यों के बीच स्थित इस धाम में है, जिसे शबरीमाला श्रीधर्मषष्ठ मंदिर कहा जाता है। यह भी माना जाता है कि परशुराम ने अयप्पन पूजा के लिए शबरीमाला में मूर्ति स्थापित की थी। कुछ लोग इसे रामभक्तशबरी के नाम से जोड़कर भी देखते हैं।

कुछ लोगों का कहना है कि करीब 700-800 साल पहले दक्षिण में शैव और वैष्णवों के बीच वैमनस्य काफी बढ़ गया था। तब उन मतभेदों को दूर करने के लिए श्री अयप्पन की परिकल्पना की गई। दोनों के समन्वय के लिए इस धर्मतीर्थ को विकसित किया गया। आज भी यह मंदिर समन्वय और सदभाव का प्रतीक माना जाता है। यहां किसी भी जाति-बिरादरी का और किसी भी धर्म का पालन करने वाला व्यक्तिआ सकता है।

पंपा से शबरीमाला तक की यात्रा का मार्ग यु तो दुर्गम है, पर प्रकृति के बीच होने का अहसास ऐसा जोखिम उठाने के लिए मन को तैयार कर देता है। मकर संक्रांति और उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के संयोग के दिन, पंचमी तिथि और वृश्चिक लग्न के संयोग के समय ही श्री अयप्पन का जन्म माना जाता है। इसीलिए मकर संक्रांति के दिन भी धर्मषष्ठ मंदिर में उत्सव मनाया जाता है।

मंदिर स्थापत्य के बारे में:

यह मंदिर स्थापत्य के लिहाज से तो खूबसूरत है ही, यहां एक अजीब किस्म की शांति का अहसास भी होता है। जिस तरह यह 18 पहाडि़यों के बीच स्थित है, उसी तरह मंदिर के प्रांगण में पहुंचने के लिए भी 18 सीढि़यां पार करनी पड़ती हैं। मंदिर में अयप्पन के अलावा मालिकापुरत्त अम्मा, गणेश और नागराजा जैसे उप देवताओं की भी मूर्तियां हैं।

उत्सव के दौरान अयप्पन का घी से अभिषेक किया जाता है। मंत्रों के जोर-जोर से उच्चारण होते है। परिसर के एक कोने में सजे-धजे हाथी खड़े रहते है। पूजा के बाद सबको चावल, गुड़ और घी से बना प्रसाद 'अरावणा' बांटा जाता है।

मकर संक्रांति के अलावा नवंबर की 17 तारीख को भी यहां बड़ा उत्सव मनाया जाता है। मलयालम महीनों के पहले पांच दिन ही मंदिर के कपाट खोले जाते हैं। इनके अलावा पूरे साल मंदिर के दरवाजे आम दर्शनार्थियों के लिए बंद रहते हैं।

मंदिर के बारे कुछ मान्यताएं:

यहां एक और बात पर गौर किया। यहां ज्यादातर पुरुष भक्तही आते है महिला श्रद्धालु बहुत कम आती है अगर आती भी है तो बूढ़ी औरतें। मंदिर के एक पुरोहित ने इसके बारे में बताया कि श्री अयप्पन ब्रह्मचारी थे। इसलिए यहां छोटी बच्चियां आ सकती हैं, जो रजस्वला न हुई हों या बूढ़ी औरतें, जो इससे मुक्तहो चुकी हैं। जाति-धर्म का बंधन न मानने के बावजूद यह बंधन श्रद्धालुओं को मानना होता है। बाकी, धर्म निरपेक्षता की अदभुत मिसाल यह देखने को मिलती है। यहां से कुछ ही दूरी पर एरुमेलि नामक जगह पर श्री अयप्पन के सहयोगी माने जाने वाले मुस्लिम धर्मानुयायी वावर का मकबरा भी है, जहां मत्था टेके बिना यहां की यात्रा पूरी नहीं मानी जाती।

दो मतों के समन्वय के अलावा धार्मिक सहिष्णुता का एक निराला ही रूप यहां देखने को मिलता है। धर्म इंसान को व्यापक नजरिया देता है, व्यापक इस लिहाज से कि अगर मन में सच्ची आस्था हो, तो भक्तऔर ईश्वर का भेद मिट जाता है।

यह भी कहा जाता है कि अगर कोई व्यक्तितुलसी या रुद्राक्ष की माला पहनकर, व्रत रखकर, सिर पर नैवेद्य से भरी पोटली (इरामुडी) लेकर यहां पहुंचे, तो उसकी मनोकामना जरूर पूरी होती है। माला धारण करने पर भक्तस्वामी कहलाने लगता है और तब ईश्वर और भक्तके बीच कोई भेद नहीं रहता।

वैसे श्री धर्मषष्ठ मंदिर में लोग जत्थों में आते हैं। जो व्यक्तिजत्थे का नेतृत्व करता है, उसके हाथों में इरामुडी रहती है। पहले पैदल मीलों यात्रा करने वाले लोग अपने साथ खाने-पीने की वस्तुएं भी पोटलियों में लेकर चलते थे। तीर्थाटन का यही रिवाज था। अब ऐसा नहीं है पर भक्तिभाव वही है। उसी भक्तिभाव के साथ यहां करोड़ों की संख्या में लोग आते हैं। पिछले साल नवंबर से जनवरी के बीच यहां आने वाले लोगों की संख्या पांच करोड़ के करीब आंकी गई।

अगर शबरीमाला में कुछ दिन रुकने का मन हो तो यहां पंपा और सन्निधानम में कई कमरे उपलब्ध हैं, जिसके लिए बोर्ड को पहले से सूचित करना होता है। यहां के नंबर हैं: 91-471-2315156, 2316963, 2317983। इसके अलावा सन्निधानम में कई दूसरे गेस्ट हाउस भी हैं।

हरीश भुतडा

समाज के चमकते सितारे

आकाश माहेश्वरी S/O अशोक कुमारजी मथरानी ने सन 2017 में CA Final की परीक्षा उत्तीर्ण कर चोहटन गांव अवं माहेश्वरी समाज का नाम रोशन किया

कृष्णा नंदन माहेश्वरी ने गोधरा में हुए खेल महाकुम्भ-2017 कराटे कुमित प्रतियोगिता में 3rd स्थान प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई। कृष्णा ने जयपुर Oct-2017 में आयोजित इंटरनेशनल कराटे चम्पिओन्शिप में भी पार्टिसिपेट किया है।

मयंक सुरेशकुमार माहेश्वरी बाड़मेर को B.Tech IIT, Jodhpur में एडमिशन मिलने पर हार्दिक बधाई

सोनिया अशोक पनपालिया गडरा रोड 12th राजस्थान में 80 प्रतिशत लाने पर राजस्थान के राजस्वा मंत्री श्री. अमराम चौधरी ने एक्टिवा देकर समान्नित किया

उत्सव रोहित शारदा पालनपुर (सावित्रीबेन चमनलाल शारदा पौत्र) 35 देशो की प्रतियोगिताओमे गणित में 3rd रैंक प्राप्त करने पर हार्दिक बधाई

समाजसेवक श्री झामनदास चेलाराम मुलानी का भीलड़ी नागरिक शहकारी मंडली की रजतजयंति के अवसर पर बनासकांठा जिले के सांसद और केंद्रीय मंत्री श्री. हरिभाई चौधरी के हस्तोंसे दिनांक. 15/10/2017 रविवार को सन्मान किया गया। श्री झामनदास जी को बहुत बहुत बधाई अवंम शुभकामनायें।

बजरंग कुमार S/O अर्जुनभाई माहेश्वरी - राष्ट्रीय हिन्दू महासंघ अवं भारतीय नवनिर्माण महासंघ का वर्ष 2017-2018 युवा मोर्चा प्रदेशा ध्यक्ष गुजरात पद पर मनोनीत किये जाने पर हार्दिक बधाई।

जयप्रकाश महेश्वरी – प्रमुख, रोटोरी क्लब ऑफ पालनपुर

पिछले कुछ समय से मृत्यु पश्चात नेत्रदान के लिए एक मुहीम चला रहे है। उन्होने महेश्वरी समाज पालनपुर के काफी परिवारोंको नेत्रदान के लिए प्रेरित किया है। उनके इस प्रयास के चलते पिछले ६ महीनो में करीबन ६-७ लोगोने अपनी दोनों आँखे दान की है। इनके इस प्रेरणादायी कार्य के लिए हम श्री. जय प्रकाशजी को बहुत बहुत बधाई अवंम शुभकामनाये देते है।

वृषांका चन्दन माहेश्वरी ने दिल्ली में आयोजित 63rd नेशनल स्कूल गेम्स में सिल्वर मैडल जितने पर हार्दिक बधाई

सुरेश चांडक रानीवाड़ा

'नौकरी'

'बड़ी हसीन होगी तू ऐ! नौकरी
सारे युवा आज तुझपे ही मरते हैं
सुख-चैन खोकर चटाई पर सोकर
सारी रात जगकर पन्ने पलटते हैं
दिन में तहरी और रात को मैगी
आधे पेट ही खाकर तेरा नाम जपते हैं
सारे युवा आज तुझपे ही मरते हैं
अंजान शहर में छोटा सस्ता रूम लेकर
किचन, बेडरूम सब उसी में सहेज कर
चाहत में तेरी अपने माँ-बाप और
दोस्ती से दूर रहते हैं
सारे युवा आज तुझी पे मरते हैं
राशन की गठरी सिरपेउठाये
अपनी मायूसी और मजबूरियाँ खुद ही
छुपाये खचाखच भरी ट्रेन में बिना
टिकट के रिस्क लेके आज सफर करते हैं
सारे युवा आज तुझपे ही मरते हैं
इन्टरनेट, अखबारों मे तुझको तलाशते
तेरे लिए पत्र-पत्रिकाएँ पढ़ते-पढ़ते
बत्तीस साल तक के जवान कुंवारे फिरते हैं
तू कितनी हसीन है ऐ! नौकरी
सारे युवा आज तुझपे ही मरते हैं...॥'

मेरे द्वारा लिखी गयी कुछ सायरी और कवितायें

અમારી મિત્રતાની તો ખુદ્ ખુદા ને પણ ઇરશા થાય્ છે .....વાગે એક્ના પગમાં કાટો ને આહ્ બીજાની નીકળી જાય્ છે. ...અમારા માટે દોસ્તોની મહેફીલજ્ ધરતી પર સ્વર્ગ સમાન્ છે......કારણ કે દોસ્તી તો પ્રેમથી પણ્ મહાન્ છે.

ન જાણે કેમ્ એ દીવસો ભુલાતા નથી....!!!
ખાધા જે શિક્ષકો ના હાથે મૉ એમ્ના નામો કેમ્ ભુલાતા નથી...!
તોડ્યા જેની બારી ના કાંચો બગાડ્યા જેના ખોતરી ખોતરી બાક્ડાઓ એ નીશાળ ના ઓરડા ઓ કેમ યાદો માથી ખોતરાત્ નથી...!
કાળા પાટિયા પર ના એ સુવીચારો રોજ સવારમાં બોલાતી એ પ્રાર્થના કેમ હજિ દીલ દીમાગ્ માથી ભુસાતા નથિ...!
સો વખત્ લડ્યા જે મિત્રો થી હજારો વાર લીધા અબોલા પણ્ .. ..એ મીત્રો ની યાદો કેમ દીલ સાથે હજુ લગી કીટ્ટા લેતી નથી...!
પહેરીને મુક્યા હવે અનેક્ અવનવા વસ્ત્રો તોય્ એ સ્કુલ્ ના સામન્ય્ યુનીફોમ્ જેવા કેમ્ શોભતા નથી,...!!
મોઘી દાટ્ ગાડીયો ના હોર્ન એ જુની સાઇકલ્ ની ઘંટ્ળી જેવા કેમ ગાજતા નથી...!!
ખાધી અવનવી વાનગીઓ હવે પણ્ રીસેસના એ ઠ્ડા ટીફીન જેવી કેમ્ ભાવતી નથી....!!

અમારી મિત્રતા અમે કાઈક એમ નિભાવી શું... ન નિભાવી શક્યા સાથ્ કર્ણ્ જેમ તો
અંતે કઈ જેમ છાતી એ બાણ્ ખાશુ....
મ્રુત્યુ બાદ ખુદ્ ફરીશ્તાઓ પણ્ આજી જી કરશે અમારી આગળ....
કે આવી મીત્રતા માણવા   ધરતી પર તમારા બદલે હવે અમે જાઈ શુ

એમનું સ્મિત મારા દુશ્મનો નું કામ કરી ગયુ....કશું પણ વાગ્યુ નહી તોય સરજાહેર ક્ત્લે આમ કરી ગયુ.....

જુવો તો ખરા ગરીબી કેવા કેવા ખેલ કરાવે છે...!!
વહેંચી ને ભગવાન તને ગરીબો ઘર ચલાવે છે...!!!
વહેંચાઇ જાય છે તું ક્યારેક સસ્તામાં ...!!
ત્યારે સૂઇ જાય છે એમ્ના બાળકો ભૂખ્યા રસ્તામાં....
તને ખરીદનારા અમીરો ને તારા મા આસ્થા દેખાય છે...
અને વેચનારા ગરીબો ને તારા મા સવારના ચા નાસ્તા દેખાય છે.....

चिंतन नटवरलाल रामवाणी गांधीधाम

वेस्टर्न अहमदाबाद ढाट माहेश्वरी समाज – नवरात्री महोत्सव 2017

गोपाणी एज्युकेशन ट्रस्ट, सुरत

गोपाणी परिवार समाज में अपनी समाज सेवा एवम गौ सेवा तथा नए बच्चों को सुरत आने पर Business Help के लिए जाना जाता है। गोपाणी परिवार द्वारा चलाये जा रहे 'गोपाणी एजुकेशन ट्रस्ट' से पिछले 8 वर्षो से ढाट माहेश्वरी समाज के जरूरत मंद बच्चों की उच्च शिक्षा के लिए वार्षिक कॉलेज फीस की अधिकतम राशी रू 50,000 (Per Year जितने साल अभ्यासक्रम हो उतने वर्ष तक राशि दी जाती है) तक बिना ब्याज ऋण प्रदान किया जाता है। जिसमे राशि लौटाने मे किसी प्रकार के गारन्टर की आवश्यकता नहीं रहती है और आमदनी शुरू होने के बाद किश्तो मे राशि लौटानी होती है।

ट्रस्ट से अभी तक 98 बच्चों को 95 लाख रूपये का वितरण किया जा चुका है। ऐप्लिकेशन फार्म श्री. तनसुखजी राठी, अहमदाबाद. मोबाइल नं 9427311430 से प्राप्त हो सकेंगे। धन्यवाद।

Woman Entrepreneur

मैं अलका भरत राठी, जो कि मेरे समुदाय के युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए अपने विचार और मूल्यों को साझा करके अगली पीढ़ी को उनके प्रीस्कूल Shanti Juniors नाम के माध्यम से एक बेहतर भविष्य प्रदान करके उन्हें प्रोत्साहित करने की कोशिश कर रही हु जो कि शांति जुनीयरस निकोल अहमदबाद में है। अहमदाबाद निवासी श्रीभगवानदास अम्बालाल केला की बेटी हु। मैंने साणंद में श्री भरत किशनलाल राठी से शादी करने के बाद अपनी पढ़ाई पूरी की। मैंने अपनी शादी के दस साल बाद मेरी करियर की शुरुआत की थी। मैंने एक विध्यालय में एक शिक्षिका के रूप में अपनी करियर की यात्रा शुरू की थी और 10 साल के संघर्ष के पश्चात मैं पिछले 4 सालों से एक सफल उद्यमी बनी। मुझे सर्वश्रेष्ठ प्रीस्कूल पुरस्कार के साथ पुरस्कृत किया गया है मेरे पास मेरे छात्रों के साथ अपने देश का बेहतर भविष्य देने का एक सपना है और चाहत हैं कि हर एक बच्चे को शिक्षा का मूल अधिकार मिल सके। मेरा सपना सभी आवश्यक विद्यालयों को शिक्षा प्रदान करने के लिए पूरे भारत में स्कूलों की एक बड़ी श्रृंखला के साथ उच्च स्तर पर शिक्षा प्रदान करना है।

हमारी यह मान्यता है की स्त्री एक गृहिणी ही बन सकती हे पर मैंने यह अपने बड़ो के आशिष से साबित किया है कि मन में अगर लगन हो तो एक औरत घर के साथ वो आपने परिवार को भी अच्छे से चला सकती हे। "बस जरूरत है एक कदम बढ़ाने की।"

Achievements: Quality excellence awards from Shanti Juniors 2016 And Rock Your Feet 2017, Best Theme Award by Ganesh Acharya

अलका भरत राठी

मेरे मन की बात

आज की इस भागदौड़ वाली जिंदगी में हम याता-यात के साधनो के बिना जिंदगी की कल्पना भी नहीं कर सकते। क्योंकि इस युग में प्रत्येक इंसान एक मशीन की तरह जिंदगी जीता है। और घर के हर सदस्य के पास वाहन होता ही है जिसका इस्तेमाल वो अपने रोजमर्रा कार्यो को पूरा करने के लिए उपयोग करता है। इसलिए हमे सुरक्षित याता-यात के लिए सावधानिया बरतनी चाहिए और कुछ नियमोंका पालन करना चाहिए, ताकि हमारी जिंदगी पर कोई आंच न आये, क्योंकि किसीने सच कहा है की जान है तो जहान है।

ये 2016 के सरकारी आंकड़े है जिसके अनुसार

1. हमारे यहाँ हर एक मिनट में एक सीरियस एक्सीडेंट होता है और एक घंटे में सोलह लोगो की मृत्यु रोड एक्सीडेंट से होती है।
2. हमारे यहाँ 1214 रोड एक्सीडेंट रोज होते है।
3. रोज 14 साल से नीचे की उम्र वाले 20 बच्चो की मृत्यु रोड एक्सीडेंट से होती है।
4. रोज 377 लोग रोड एक्सीडेंट से मरते है जो एक बड़े प्लेन एक्सीडेंट के समान है।
5. दू-पहिये वाहन से होने वाले रोड एक्सीडेंट कुल एक्सीडेंट का 25 प्रतिशत होता है।

जैसे हम अपने बच्चो को अच्छी तरह से जिंदगी जीने के लिए कुछ नियम सिखाते है वैसे ही यदि हम अपने बच्चो को शुरू से ही यातायात के कुछ नियमो का पालन करने की शिक्षा दे और हम स्वयं भी कुछ नियमो का पालन करे तो हम रोड दुर्घटना से अपने आप को बचा सकते है और अपने देश और समाज को सुरक्षित जीवन प्रदान कर सकते है।

सुरक्षित याता-यात के नियमः

1. बिना ड्राइविंग लाइसेंस के किसी को भी वाहन का उपयोग नहीं करना चाहिए।
2. हमें 18 साल के नीचे आयु के बच्चो को वाहन चलने की इजाजत कभी भी नहीं देनी चाहिए।
3. कभी भी बिना इन्शुरन्स (बिमा) के किसी भी वाहन का उपयोग नहीं करना चाहिए नहीं तो दुर्घटना होने पर वाहन मालिक को दुर्घटना ग्रस्त व्यक्तिको मुआवजा देना पड़ता है। बहुत पुराना वाहन हो तो थर्ड पार्टी इन्शुरन्स लेना ही चाहिए।
4. किसी भी समय कितनी भी जल्दी हो तो भी रॉंग साइड वाहन नहीं चलाना चाहिए क्योंकि ''सावधानी हटी दुर्घटना घटी''।
5. वाहन की गति अति तेज नहीं होनी चाहिए। – BECAUSE SPEED THRILLS BUT IT KILLS

6. हाईवे पर दूपहिये वाहन का उपयोग कम करना चाहिए।
7. दूपहिये वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट और कार चलते समय सीट बेल्ट का उपयोग करना चाहिए
८. वाहन चलाते समय कभी भी मोबाइल फोन का उपयोग नहीं करना चाहिए।

इतनी सावधानी रखने के बाद भी यदि दुर्घटना हो जाये तो हमे नीचे लिखी बातो का ध्यान रखना चाहिए:

1. दुर्घटना होने पर सबसे पहले एम्बुलन्स को फोन करना चाहिए और दुर्घटनाग्रस्त व्यक्तिको हॉस्पिटल ले जाना चाहिए।
2. उसके तुरंत बाद पुलिस को दुर्घटना की जानकारी देनी चाहिए।
3. जिस वाहन से दुर्घटना हुई है उस वाहन का नंबर नोट करना चाहिए और दुर्घटना स्थल का फोटो लेना चाहिए ताकि सही जानकारी मिल सके।
4. यदि हाईवे पर दुर्घटना हुई है तो तुरंत प्राथमिक चिकित्सा का इंतेजाम करना चाहिए।
5. जिस जगह पर दुर्घटना हुई हो वहा पर मौजूद लोगो के नाम और नंबर लेने चाहिए ताकि दुर्घटना की सही जानकारी दे सके।
6. दुर्घटना होने 24 घंटे के भीतर आपके वाहन की विमा कंपनी को इसकी जानकारी देनी चाहिए ताकि क्लेम करते समय कोई कठिनाई न आये।
7. यदि आपसे दुर्घटना हुई हो या आप दुर्घटनाग्रस्त हुए है तो दोनों ही सुरतो में आपको वकील की सलाह अवश्य लेनी चाहिए।

अंत में एक बात आपसे अवश्य कहना चाहूंगी कि हम जब भी घर से बाहर जाते है तब हमे ये ध्यान रखना चाहिए की घर पर हमारा कोई इंतजार कर रहा है। बस इसके साथ सबके जीवन की सुरक्षित कामना करते हुए में अपनी लेखिनी को विराम देती हूँ।

श्रीमति मंजू केला एडवोकेट, वड़ोदरा

जय श्री विशुमाता

बठठर नुख की कुलदेवी विशुमाता का मंदिर जेशलमेर राजस्थान में गड़ीसर तालाब के अंदर है। ढाट माहेश्वरी समाज मे बठर, लद्धड़, मल्हर, हरकुट यह खाँप की कूलदेवी विशुमाता है। मन्दिर बहोत ही पुराना है और अभी 4/5 शाल में मन्दिर के अंदर भव्य धर्मशाला का निर्माण हुवा है।

इस धर्मशाला के निर्माण में थरी माहेश्वरी समाज के बठर,लद्धड़,व,मल्हर भाइयो का बड़ा योगदान है।

यहां मन्दिर के प्रांगण में 15 रूम 1 बडा होल ओर रसोई घर है। यहां आने वाले यात्रियों को रहने की सुविधा मंदिर में ही है। नवरात्रि में 9 दिन दर्शनाथी ओ की खाने की सुविधा भी मन्दिर में की जाती है।

कीर्ती मयाराम बठ्ठर मुम्बई
उपाध्यक्ष विशुमाता मंदिर कमिटी

ऑल इण्डिया फेडरेशन ऑफ ढ़ाट माहेश्वरी समाज की रचना, हेतु एवं वर्तमान स्थिति

सन् 1947 में भारत-पाक विभाजन के बाद से ढ़ाट माहेश्वरी समाज के परिवारों का भारत में देश परिवर्तन (Migration) होने का सिलसिला शुरू हुआ था, वह अविरत चल रहा है। सन् 2006 में एक विचार आया था कि आजादी के 59 साल बाद भी ढ़ाट माहेश्वरी समाज का संगठन नहीं हुआ है, समाज को संगठित करने का प्रयास होना चाहिए। जब अपने समाज की तुलना दूसरे समाजों से करते हैं तो यह देखते हैं कि दूसरे समाज में शिक्षा और धन का अभाव होते हुए भी संगठित होकर रहते हैं और उनकी आवाज राजनीतिक गलियारों में सुनी जाती है, जिससे संकट के समय पूरे समाज के सहयोग से कोई भी सामान्य सा व्यक्ति मुश्किल समय का भी सामना करने का साहस जुटा पाता है।

यदि ढ़ाट माहेश्वरी समाज को संगठित करने का प्रयास सीधे किया जाता तो बहुत ही मुश्किल होता इसलिए ऐसे सभी क्षेत्र जहाँ 15-20 परिवार रहते थे, वहाँ पर नुक्कड़ मीटिंग द्वारा समाज के बन्धुओं से मेडि-क्लेम बीमा योजना के बारे में चर्चा की गई और साथ ही साथ समाज का संगठन होना चाहिए, इस बात को भी रखा गया। 6 अगस्त, 2006 को इसकी शुरूआत साबरमती, अहमदाबाद में मीटिंग से हुई और 9 महीने के अथक प्रयास के पश्चात 6 मई, 2007 को मोडासा में ऑल इण्डिया फेडरेशन ऑफ ढ़ाट माहेश्वरी समाज नामक संस्था का जन्म हुआ। संस्था की रचना का मुख्य उद्देश्य ढ़ाट माहेश्वरी समाज के पूरे भारतवर्ष में बिखरे हुए 5000 परिवारों को माला के मनकों की तरह पिरोना था, जिससे मजबूत समाज के संगठन का फायदा समाज के आर्थिक रूप से पिछड़े हुए परिवारों को मिल सके। इस उद्देश्य के मद्देनजर संस्था की विभिन्न गतिविधियाँ शुरू की गईं। शुरुआत में, जब संस्था के पास एक रुपया भी नहीं था तब संस्था द्वारा छात्रों के लिए छात्रालय की सुविधा शुरू की गई और संस्था की प्रथम मीटिंग में ही संस्था के सदस्यों द्वारा 2.5 लाख रुपए की सहयोग राशि इकट्ठी कर इसकी शुरूआत की गई।

किसी भी संस्था को पीढ़ियों तक चलाने के लिए उसका वित्तीय रूप से सुदृढ़ होना अति आवश्यक है। संस्था के लिए शुरूआती फंड इकट्ठा करने के लिए गुजरात राज्य की टेलीफोन पुस्तिका का प्रकाशन किया गया है। इसके लिए पूरे गुजरात के मुख्य क्षेत्रों में संस्था के प्रतिनिधि गए एवं सभी के सहयोग से करीब 32-33 लाख रुपए की सहयोग राशि इकट्ठा की गई। संस्था के पास इस राशि के ब्याज के अलावा समाज के सदस्यों द्वारा प्रसंगोपात दी हुई सहयोग राशि होती है। सन् 2008 में संस्था द्वारा पूरे समाज को संगठित करने हेतु नरोड़ा, अहमदाबाद में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें राजस्थान एवं गुजरात से करीब तीन हजार सदस्यों ने हिस्सा लिया।

संस्था के हिसाब-किताब की जाँच प्रतिवर्ष चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट के द्वारा करवाई जाती है और इसकी विवरणी आयकर विभाग एवं चेरिटी कमिश्नर के कार्यालय में प्रतिवर्ष जमा करवाई जाती है। पिछले दस वर्षों में संस्था के अध्यक्ष, कोषाध्यक्ष एवं सचिव का कार्यभार समाज के प्रतिष्ठित व्यक्ति द्वारा संभाला गया, जिसकी सूची निम्न है-

कार्यकाल	अध्यक्ष	कोषाध्यक्ष	सचिव
2007-09	डॉ. अशोककुमार हेमराज माहेश्वरी, पालनपुर	श्री किरणकुमार महादेवभाई राठी, सुरेन्द्रनगर	श्री गोपालभाई लक्ष्मणदास राठी,
2009-11	श्री अर्जुनलाल मुरारदास राठी, अहमदाबाद	श्री वासुदेव प्रभुलाल चाँडक, बड़ोदरा	श्री अशोककुमार बालकृष्ण माहेश्वरी
2011-13	श्री अर्जुनलाल मुरारदास राठी, अहमदाबाद	श्री दीलीपकुमार डूंगरोमल, मोहता, अहमदाबाद	श्री प्रकाशकुमार रूपचंद माहेश्वरी
2013-15	श्री किरणकुमार महादेवभाई राठी, सुरेन्द्रनगर	श्री भवानीशंकर हीरालाल मथराणी, अहमदाबाद	सुनीलकुमार जगदीशचन्द्र गीगल, बड़ोदरा
2015-17	श्री किरणकुमार महादेवभाई राठी, सुरेन्द्रनगर	श्री भवानीशंकर हीरालाल मथराणी, अहमदाबाद	श्री शंकरलाल ओकारमल केला, कड़ी

1 अप्रैल, 2017 से संस्था के अध्यक्ष, सचिव एवं कोषाध्यक्ष का कार्यभार श्री वासुदेव गणेशदास भूतड़ा, आणंद, श्री प्रकाश सी. राठी, अहमदाबाद एवं श्री हरीशकुमार जेठानन्द लधड़, गांधीधाम द्वारा संभाला जा रहा है। संस्था द्वारा समाज को संगठित करने के लिए सामाजिक सुरक्षा योजना १ अक्टूबर, 2008 से शुरू की गई है। पिछले करीब नौ वर्षों से इस योजना का कार्य सुचारू रूप से चल रहा है। संस्था द्वारा किसी भी सक्रिय सदस्य की मृत्यु पर निम्न सहयोग राशि दी जाती है :- (1) 21 से 30 वर्ष – तीन लाख रुपए (2) 31 से 40 वर्ष – दो लाख रुपए (3) 40 से अधिक होने पर – एक लाख रुपए दुर्घटना में मृत्यु होने पर योजना के सदस्य को दो लाख रुपए की अतिरिक्त राशि दी जाती है। योजना के 111 महीनों में 111 सदस्यों की मृत्यु पर करीब 1.25 करोड़ रुपयों की सहयोग राशि एवं सारे खर्चों के बाद करीब 2.18 करोड़ रुपए की बचत जमा है। 31.03.2017 तक की सामाजिक सुरक्षा योजना के सदस्यों को इसकी पूरी जानकारी अप्रैल महीने के शुरु में दी गई थी। इस योजना की राशि का उपयोग सिर्फ सदस्यों की मृत्यु पर सहयोग राशि देने के लिए ही किया जाता है। इसे समाज की दूसरी गतिविधियों के लिए उपयोग में नहीं लिया जा सकता है। वर्तमान समय में जब सामान्य व्यक्ति के लिए बच्चों की शादी करना अपने जीवनभर की बचत को खर्च करने की मजब्रूरी बन गया है, ऐसे समय में समाज के आर्थिक रूप से पिछड़े परिवारों का शादी के खर्चों पर अपव्यय नहीं हो, इसलिए संस्था द्वारा दो बार समूह लग्न का आयोजन किया गया है, जिसमें संस्था द्वारा सिर्फ उतनी राशि का सहयोग लिया गया, जितना उस कार्यक्रम के लिए जरूरी था।

जैसे-जैसे संस्था का कार्य बढ़ता गया, संस्था के लिए अपने भवन की जरूरत समझी गई क्योंकि किराए के मकान में समाज द्वारा की जा रही विभिन्न प्रवृत्तियों को पड़ोसियों द्वारा विरोध होता था और साथ ही संस्था मकान मालिक के मनस्वी स्वभाव पर निर्भर थी। समाज के सदस्यों के सहयोग से अहमदाबाद पॉलिटेक्निक विस्तार में एक सुंदर फ्लैट लिया गया जिसका भव्य लोकार्पण कार्यक्रम 26 जनवरी, 2015 को कोबा गांधीनगर में रखा गया। संस्था द्वारा इस कार्य के लिए भी उतनी ही सहयोग राशि इकट्ठी की गई जितनी जरूरत थी।

वर्तमान समय में मनुष्य की कमाई का बड़ा हिस्सा बीमारी के खर्चे में चला जाता है, ऐसे समय में मध्यम और निचली आर्थिक स्थिति वाले परिवारों के लिए इलाज करवाना काफी मुश्किल हो रहा है। इसलिए संस्था द्वारा समाज के ऐसे परिवारों को मदद रूप होने के लिए मेडि-क्लेम फंड इकट्ठा करने हेतु श्रीमद् भागवत कथा का भव्य आयोजन हरिद्वार में सितम्बर, 2015 में किया गया जिससे समाज के दाताओं द्वारा 1.40 करोड़ रुपए की सहयोग राशि दी गई। इस राशि का उपयोग जरूरतमंद मरीजों को आर्थिक सहायता देने एवं ऐसे परिवार जो अपनी मेडि-क्लेम पॉलिसी का प्रीमियम नहीं भर सकते हों, उनका प्रीमियम

चुकाने के लिए किया जाता है। संस्था द्वारा करीब 57-58 लाख रुपए इस कार्य हेतु पिछले दो वर्षों में खर्च किए गए। इस फंड में अभी 94.40 लाख रुपए हैं, जिसका उपयोग सिर्फ चिकित्सा संबंधित खर्च करने के लिए ही किया जा सकता है, अन्य किसी कार्य के लिए इस धन का उपयोग नहीं हो सकता है।

राजस्थान में एक नन्हीं बच्ची आभार - निहारीका रविया के थेलसेमिया के इलाज के लिए 10 लाख रुपए की आपातकालीन जरूरत के लिए समाज के सदस्यों द्वारा सिर्फ Whatsapp संदेश पर खुले हृदय से सहयोग दिया गया और दस लाख रुपए की राशि पूरे होने पर आगे और सहयोग नहीं देने का संदेश दिया गया।

इसी तरह अगस्त महीने में धानेरा में जिला बनासकांठा (गुजरात) में अतिवृष्टि से ढ़ाट माहेश्वरी समाज के व्यापारी बंधुओं को भारी नुकसान हुआ था, करीब – 25-26 छोटे व्यापारियों के लिए आजीविका का प्रश्न हो गया था, ऐसे समय में पूरा ढ़ाट माहेश्वरी समाज अपने इन समाज बंधुओं को आर्थिक सहयोग करता, यह अत्यन्त आवश्यक हो गया था। ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ ढ़ाट माहेश्वरी समाज ने समाज के सभी बंधुओं से सहयोग की अपील की एवं पूरे समाज ने खुले दिल से इसे स्वीकार कर रुपए 30.60 लाख रुपए की सहयोग राशि दो दिन में घोषित की। स्थानीय समाज द्वारा २६ चयनित परिवारों को उनकी इच्छा के अनुसार प्रति परिवार एक लाख रुपए की राशि बिना ब्याज के ऋण के रूप में स्वीकृत कर आंशिक राशि तुरंत दी एवं शेष राशि कुछ दिनों में भेजी गई। ऋण की राशि लाभार्थी द्वारा उसकी सहुलियत के अनुसार किस्तों में वापिस दी जाएगी एवं ऋण राशि को वापिस चुकाने के लिए किसी भी व्यक्तिद्वारा कहा नहीं जाएगा।

भारतवर्ष के करीब 500 क्षेत्रों में ढ़ाट माहेश्वरी समाज के परिवार रहते हैं। इन सभी परिवारों के बारे में जानकारी का कोई माध्यम समाज में नहीं था इसलिए संस्था द्वारा त्रि-मासिक पत्रिका ढ़ाट माहेश्वरी संदेश का प्रकाशन पिछले तीने वर्षों से किया जा रहा है। इस पत्रिका के माध्यम मे विभिन्न क्षेत्रों में चल रही सामाजिक प्रवृत्तियाँ, समाज के होनहार विधार्थियों एवं अलग-अलग क्षेत्रों में उच्च स्थान प्राप्त करने वाले व्यक्तियों के बारे में जानकारी देना एवं समाज में लेखन द्वारा जागृति लाने का प्रयास किया जा रहा है, जो संस्था से स्वतंत्र रुप से अपना कार्य अपने पदाधिकारियों के मार्गदर्शन में करेगी।

कोई भी समाज जो अपने आपको हिन्दू धर्म का अभिन्न अंग मानता है, गौ-सेवा उसका परम धर्म है। ढ़ाट माहेश्वरी समाज के 5000 परिवारों को गौ-सेवा के नेक कार्य में जोड़ने के लिए संस्था द्वारा श्री महेश गौ-सेवा समिति की रचना की गई जिसमें 400 सक्रिय सदस्यों द्वारा प्रारम्भिक 5100 रुपए की सहयोग राशि के करीब 20 लाख रुपए की सहयोग राशि इकट्ठा की गी। साथ ही प्रत्येक सदस्य द्वारा प्रतिवर्ष न्यूनतम 5100 रुपए के सहयोग का आश्वासन दिया गया है, इन सदस्यों के सहयोग से 5000 परिवारों तक दान-पात्रों को पहुँचाया जाएगा जिससे प्रत्येक परिवार से थोड़ा-थोड़ा सहयोग मिल सके। श्री महेश गौ-सेवा समिति आने वाले समय में समाज के सभी बन्धुओं के सहयोग से अपनी गौ-शाला का प्रबन्ध करेगी।

इन कार्यों के अतिरिक्तसंस्था द्वारा स्थानीय समाज के सहयोग से पालनपुर एवं मोड़ासा में परिवर्तन 2014 एवं परिवर्तन 2015 कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में समाज के सदस्यों ने भाग लिया। ढ़ाट माहेश्वरी समाज मूलतः व्यापारी समाज है। समाज के मार्ग-दर्शन के लिए समय-समय पर विभिन्न करों जैसे आयकर, बिक्री कर आदि के बारे में जानकारी देने एवं चिकित्सा संबंधी जानकारी के लिए अलग-अलग स्थानों पर सेमिनारों का आयोजन किया गया जिससे समाज के बहुत सारे परिवार लाभान्वित हुए। वर्तमान 21 वीं शताब्दी में यदि परिवारों की जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध नहीं हो तो वह समाज के साथ ताल मिलाकर नहीं चल सकता है। 5000 परिवारों की जानकारी सभी को अपने मोबाइल पर मिल जाए, इसके लिए संस्था द्वारा बहुत ही उपयोगी मोबाइल एप्लीकेशन बनाया गया है जिसमें सभी परिवारों की Updated जानकारी मिलेगी।

ढाट माहेश्वरी समाज का गौरव आई. पी. माहेश्वरी

श्री इन्दरलाल पीताम्बरदासजी माहेश्वरी जिन्हे हम सभी आई. पी. माहेश्वरी के नाम से जानते हैं, इनका जन्म सरूपे के तला जो चोहटन तहसील बाड़मेर जिले में एक सीमावर्ती गांव हैं, में हुआ। इनके बारे मे लिखने के लिए बहुत पन्ने चाहिए लेकिन यहाँ संक्षित में लिख रहे हैं। हमारे ढाट माहेश्वरी समाज के भारत में लगभग 5000 घरो में उनका नाम जाना पहचाना है। हाल ही में उनका संयुक्त आयकर आयुक्त (Joint Income Tax Commissioner) के पद पर पदोन्नति (Promotion) हुई है। समग्र ढाट माहेश्वरी समाज की और से उनको हार्दिक अभिनन्दन।

उनकी शिक्षा बाड़मेर शहर में हुई. 1983 में B.Com में Graduation करने के तुरंत बाद स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में उन्हें नौकरी मिली। नौकरी के साथ ही 1985 में रू.ष्टद्ब पूरा किया। 1989 में आयकर विभाग में आयकर निरीक्षक के पद पर पर भर्ती हुए. 1995 में उन्हें पहली पदोन्नति आयकर अधिकारी के रूप में मिली। 2008 एवं 2013 में क्रमशः सहायक आयकर आयुक्तएवं उप आयकर आयुक्तका प्रमोशन मिला। अभी वर्ष के अंत में संयुक्तआयकर आयुक्तबने। समाज के लिए गौरव का क्षण है। जब तक कोई कहे नहीं तब तक पता चलने नहीं देते की वह इतने बड़े अधिकारी है। वाणी व्यहवार और पहनावे तथा लाइफ स्टाइल सम्पूर्णतः सरल अवं सादगीपूर्ण रखे हुए है।

उनके जीवन की खास बात बताता हूँ की 2005 में उन्होंने कैलाश मानसरोवर की यात्रा की थी। उसके बाद उनके जीवन में भारी बदलाव आया। उन्होंने महसूस किया की समाज शुशुप्त अवश्था में है, सक्षम होने के बावजूद भी समाज में संगठन नहीं है। तब उन्होंने समाज सेवा के कार्य में अपने आप को पूरी तरह से लगा दिया समाज के लिए एक जबरदस्त प्लेटफार्म खड़ा किया। जिसका नाम All India Federation of Dhat Maheshwari Samaj है। आज AIFDMS के माध्यम से पूरा समाज एक दूसरे से जुड़ा हुआ है और अपने आपको संगठित महसूस कर रहा है। ढ्ढस्नष्ठरूस् के माध्यम समाज सेवा की कई योजनाए कार्यक्रत है जो उनकी दूरंदेशी सोच से साकार हुआ।

श्रद्धासुमन

1.	गौतमदास वाधजीमल मोहता,	अहमदाबाद
2.	देवकुमार मनसुखदास लधड़,	बाड़मेर
3.	राणामल बुलचंद माहेश्वरी,	बाड़मेर
5.	रूपचंद मुरलीधर राठी,	धानेरा
6.	प्रदीपकुमार अर्जुनदास माहेश्वरी,	चोहटन
7.	ओमप्रकाश माहेश्वरी,	हालोल
8.	चतुर्भुज पूनमचंद मंजीरा,	हालोल
9.	मणिदेवी किशनलालजी भूतड़ा,	गडरा रोड
10.	रमेश मोतीराम जेसवानी,	गांधीधाम
11.	झामनदास पुरुषोत्तमदास केला,	गांधीनगर
12.	लछ्मणदास आसनदास जीवाणी (लधड),	जालोर
13.	बदलीबेन गोरधनदास राठी,	कड़ी
14.	क्रुणाल दीपकभाई केला,	मोरबी
15.	परषोत्तमदास मोरारदास सुखानी,	मोरबी
16.	भवानी राठी,	मोरबी
17.	ज्ञानीबेन रामचंद्र राठी,	पालनपुर
18.	हीरालाल गोकदास माहेश्वरी,	पालनपुर
19.	किशनलाल चतरोमल राठी,	पालनपुर
20.	प्रतापराय पूनमचंद असनानी,	पालनपुर
21.	सपनाबेन (बबिता) मिलनभाई घूरिआ,	पालनपुर
22.	निलेशकुमार बंसीधर माहेश्वरी,	पाटन
23.	गोविंदराम भोमजीमल कुम्भारिया,	सांचोर
24.	ईशरदास विनोदमल कुम्भारिया,	सांचोर
25.	कमलादेवी भंवरलाल जागडु भट्टर,	सांचोर
26.	क्रिशनलाल मनहरलाल शारदा,	सांचोर
27.	घनश्यामदास मेघराजजी शारदा (अखाणी),	सूरत
28.	जगदीशकुमार पुरुषोत्तमदास कड़वा,	तारापुर
29.	खजुरोमल मथरादास राठी,	वडगाम
30.	भगवतीदेवी थिरपालदास मोहता,	वडोदरा
31.	थिरपालदास फरसराम मोहता,	वड़ोदरा

सुईया मेला चौहटन

ढाट माहेश्वरी समाज चौहटन द्वारा सुईंया मरु कुम्भ 17-18 दिसंबर 2017 में आने वाले सभी समाज बंधुओं के ठहरने, रहने भोजन आदि की अच्छी व्यवस्था कर , चौहटन समाज के सभी माहेश्वरी युवा मंडल एव बड़े बुज़ुर्ग सभी ने मिलजुलकर इतने बड़े कार्य को सफलतापूर्वक सम्पन किया, ओर इसके लिए उन्होने पिछले काफी समय से तैयारियां की थी इस टीम वर्क के कारण 3000- 3500 लोगो के खाने, ठहरने की सफल व्यवस्था की। यहाँ तक नोहरे के बाद मेहमानों के ठहरने हेतु अपने अपने घरों में भी बहुत अछी व्यवस्था की जिसकी तरीफ हर किसी की जुबां पर थी। चौहटन समाज के इस सुंदर आयोजन पर ★★ जय महेश ★★

कमलेश चंदिरा चौहटन. 9414529638

चोहटन सुइया पोषण मेला:

चोहटन दिनांक 17-18 दिसम्बर 2017 को भरे अर्ध कुम्भ सुइया मेले मैं 7 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र स्नान किया। रेगिस्तान मैं बसे इस सीमावर्ती गांव चोहटन मैं मरू कुम्भ के नाम से विख्यात सुइये मेले मैं उमड़े श्रद्धालुओं के कारण पैर रखने की जगह नहीं थी। इस मरू कुम्भ मैं 5000 ढाटी माहेश्वरी श्रद्धालुओं ने अमृत बेला मैं पवित्र स्नान का लाभ लिया। चोहटन माहेश्वरी समाज द्वारा 16 दिसम्बर से 18 दिसम्बर तक समाज के बाहर से पधारे श्रद्धालुओं के लिए रहने, खाने-पिने और सोने की विशेष व्यवस्था की थी। महिलाऔ और पुरुषो के लिए अलग व्यवस्था की गयी थी। इस व्यवस्था मैं माहेश्वरी नवयुवक मंडल, रॉक स्टार ग्रुप अवं माहेश्वरी महिला मंडल ने विशेष सहयोग देकर इस अवसर को सफल बनाया। दिन-रात 24 घंटे पूरी सुविधाएं बनाये रखने मैं समाज के सभी सदस्यों ने तन, मन और धन से सहयोग किया। इस आयोजन की व्यवस्था मैं चोहटन महेश्वरी समाज का हर एक बंधू बहुत ही खुशी महसूस कर रहा है। उनके लिए यह एक बहुत बड़े त्यौहार जैसा रहा बहुत खुश थे सभी लोग। दिनांक 17 दिसम्बर के रात्रि को भव्य जागरण का आयोजन भी किया गया। यह सभी कार्यक्रम समाज के बुजुर्गो के निर्देर्शन से आयोजित हुआ।

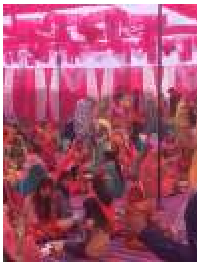

ढाट माहेश्वरी समाज के बारेमे भगवासदास जी दो बोल

में थरी महेश्वरी हु। जिस पर मुझे नाज.है। क्यों क्योंकि हमारे समाज में दहेज.का दूषण नहीवत है। स्त्री सन्मान चरम सीमा पर है। स्त्रीओ की स्थिति दूसरे माहेश्वरी समाजो से अच्छी है। शिक्षण दूसरे माहेश्वरी समाजो से आगे है। मुख्य शिक्षण डॉक्टर्स इंजीनियरो का अनुपात सुन्दर है। आर्थिक स्थिति भी कई माहेश्वरी समाजो से अच्छी है। हमारे समाज में सेंकडो स्त्रिया अन्य समाजो से ब्याहकर ले गयी। सब समाज में सुन्दर रीत से रह गयी।

भगवान हरानी पुणे महाराष्ट्र

उरद के लड्डु (मरुधर की मिठाई)

यु तो हमारे यहाँ अनेक प्रकार की मिठाईया बनाई जाती है। परन्तु अलग अलग प्रदेशो और अलग अलग ज्ञातियो में विविध प्रकार की मिठाईया बनाई जाती है जिनकी अपनी एक अलग ही पहचान होती है।आज हम बात करते है हमारी पृष्ठ-भूमि मरुधर में बनने वाले उरद के लड्डुओकी।

उरद के लड्डु जिन्हे हम मावे के लड्डुओं से भी जानते है। हमारे यहाँ उरद के लड्डु बहुत ही प्रख्यात है क्योंकि उनमे डलनेवाली सभी सामग्री हमारे शरीर के लिए बहुत उपयोगी होती है। और हमे यह एक विशिष्ट प्रकार की ऊर्जा देती है जिन्हे खाने के लिए हमेशा हमारी चाहना रहती है। वैसे तो इन लड्डुओ का स्वाद उसे बनाने वाले पर भी निर्भर करता है जैसे गडरारोड (राजस्थान) में "अमोलख जी उरद के लड्डु" अति प्रख्यात है।

हमारे यहाँ खास सास अपने दामाद और बेटी को और माँ अपने बहु और बेटे को बनाकर देने के लिए उत्सुक रहती है।

उरद के लड्डुओं को बनाने के लिए निम्न प्रकार की सामग्री की आवश्यकता रहती है।

- उरद दाल आटा 1 किलो
- दूध 4 किलो
- शक्कर 1.5 किलो
- देशी घी 1 किलो
- गुंद 250 ग्राम
- खसखस 100 ग्राम
- बादाम 250 ग्राम
- काली किसमिस 100 ग्राम
- इलाइची 10 नंग
- जायफल 1 नंग
- केसर प्रमाणसर

बनाने के विधि:

एक बड़ी कड़ाई में दूध को उबाले और एक चौथाई रहे तब उसमे उरद की दाल का आटा तथा 750 ग्राम घी डाल कर लगातार चमच से ब्राऊन होने तक भून लीजिये। अब एक और छोटी कढ़ाई में 250 ग्राम घी डाल कर उसमे गुंद को शेके (भुने)। इसके बाद एक और कढ़ाई में शक्कर डाल कर उसमे थोड़ा पानी मिलाये और सवा तार से थोड़ी कम की चासनी बनाये। अब बादाम की छोटी छोटी कतरी बनाये, जायफल को पीस दे और इलाइची को छील कर कूट लीजिये। अब इन सभी सामग्रीओं को बड़ी कढ़ाई में डाल कर अच्छी तरह से मिला लीजिये। अब उसे कुछ देर तक ठंडा होने के किये रख दे। लड्डु बनाने के लिए मिश्रण तैयार है। अब हाथ में थोड़ा घी लगाकर उसे दबा-दबा कर अपने मन पसंद आकार के लड्डु बनाकर थाली में रखे।

हमारी जिंदगी में (MONEY MANAGEMENT) फंड प्रबंधन का महत्व

आपकी Lifestyle कैसी है? वैसी lifestyle जीने के लिए आपको कितना खर्चा करना पड़ता हैं? सोचो, हर महीने में आपके पास जितना पैसा आ रहा हैं उसमे से आप आपकी अभी की lifestyle में पूरी जिंदगी भर जीने की guarantee हैं आपको? इसका जवाब हैं "नहीं" फिर हमे क्या करना पड़ेगा? आप आपकी जरुरत जिंदगी भर पूरी करने के लिए इतना पैसा इक्कठा करेंगे?

सोचने से tension आया ना? Don't worry क्योकी उसके लिए ङ्कस्द्रड्ड हैं। आपका जीवन सरल बनाने वाली Guide मतलब Money Management। इसकी वजह से आप सोच भी नहीं सकते इतने पैसे बचेंगे।

मुझे बताओ, पैसा किस लिए होता हैं? सिर्फ खर्च करने के लिए या बचाने के लिए? इसके आगे जाकर सही management करके पैसो का smart use किया तो? Yes, Financial management आपको यही बताता हैं। आपका बड़ा खर्च या पैसो के घर के बाहर जाने के रास्ते पहचाने और उस हर एक के लिए द्वठ्ठष्द्द में से एक हिस्सा बचाकर रखा तो ये आसानी से हो सकता हैं। श्वड्डह्यद्य Language में बताऊ? अपने future के बारे में सोच के पैसो को सही से manage करना मतलब Financial Management, ये Management कैसे करना हैं, उसके important point कोनसे हैं, ये आज हम देखेगे।

Money Management किस लिए करना?

- अचानक से घटनेवाली घटना और खर्च के लिए
- आपका financial stress कम करने के लिए
- आपके जीवन के खर्च के लक्ष्य पूरा करने के लिए
- Financial Management के मुख्य चार प्रकार
- सही तरीके से बचत
- होशियारी से खर्च
- Financial stability
- हमारा बजेट

पैसा Money manage करने के ६ तरीके

1. आज से शुरुआत करो, बचत को Importance दो, नियमित बचत करो
2. पहले आपके सबसे ज्यादा जरूरतों पर पैसे खर्च करो, उस के बाद आप की इच्छाओं को पूरा करने पर खर्च करो और पैसो का दुरुपयोग मत करो
3. Account और निकले गये Insurance Policy इन्हे आपके Financial गाड़ी के "Shock absorber" समजो, उन्हें कभी भी Neglect मत करो
4. कर्जो का ह्यद्द आपके जीवन को Stability लाने के लिए करो, जीवन को नियंत्रण के बंधन में बांधने के लिए नहीं है
5. पैसे देने की तारीख को कभी भी मत चुकना, पैसे समय पे भरो
6. आप का Income और खर्चा कितना हैं उसके अनुसार आपका बजेट तैयार करो, आपके पास आनेवाला पैसा और जानेवाला पैसा इनका सही से Balance रखो, ये Balance कभी ना बिगड़े इसका ध्यान रखना और इसमे Continuity रखो

पैसा कहा से आता है?

1. salary
2. profit
3. हमारे काम की fees
4. बोनस

इन सभी पैसो को सही से manege करो.

पैसो का diversification कैसे करेंगे?

1) Financial stability के लिए

1. Emergency fund
2. Policy

2) बचत

- बचत खाते की अभी से शुरुआत
- Saving ÜU¢ï importance
- Regular saving
- Insurance

3) खर्च

- जरूरतों पर पहले
- इच्छाओ पर बादमे
- पैसा वेस्ट मत जाने देना

4) Investment

- Smart investment करो और अपने व्यवहार का हिसाब की सही से note रखो.
- Insurance policy
- Share Market
- Mutual funds

Sr. No.	Area	Employee Name	Claiment Name	Age	ApprovedAmount
1	Ahmedabad	Narayan Maheshwari	Rekha Maheshwari	42	8292
2	Bavla	Sandeep Dipchandbhai Rathi	Dipchand Rathi	64	40000
3	Geratpur	Pareshbhai Shankarlal Maheshwari	Pareshbhai S. Maheshwari	38	32452
4	Ghatlodiya	Lekhraj Vedvyas Maheshwari	Lekharaj V Maheshwari	47	42700
5	Ghatlodiya	Manoj Maheshwari	Manjulaben M. Maheshwari	43	24000
6	Ghatlodiya	Mukeshkumar Roopchand Maheshwari	Meena M Maheshwari	40	14500
7	Gota	Ankur Dilipkumar Kella	Vidhya Kela	57	9806
8	Gota	Kalpesh Bansilal Kella	Hetal K Kella	32	9978
9	Isanpur	Duryodhan Mahadevbhai Ramchandani	Mohiniben Ramchandani	51	34875
10	Isanpur	Jawaharlal Kirpaldas Maheshwari	Sanjay Maheshwari	22	40000
11	Isanpur	Kapildev Pitamberdas Maheshwari	Narmi Maheshwari	75	21989
12	Isanpur	Karishma Maheshwari	Karishma Maheshwari	21	6388
13	Isanpur	Pawankumar B Maheshwari	Vijentimala P Maheswari	30	30000
14	Isanpur	Vinod Ravishankar Maheshwari	Ravishankar C. Maheshwari	63	110346
15	Kankaria	Kishor Parshuram Rathi	Maulik Rathi	17	18104
16	Krishnanagar	Dasrath Kirshanlal Maheshwari	Bhagwantibai Maheshwari	64	135000
17	Kubernagar	Chanderkumar Maheshwari	Gautambhai Maheshwari	72	18952
18	Maninagar	Ankit Shankarlal Rathi	Poonam A Rathi	33	30000
19	Maninagar	Ankit Shankarlal Rathi	Ankit S Rathi	33	18617
20	Maninagar	Bansidhar Tuljaram Maheshwari	Manjulaben B Maheshwari	41	6622
21	Maninagar	Dhaneshkumar Shankarlal Shah	Usha Shah	39	17809
22	Maninagar	Gaurangbhai Mahadevbhai Kela	Pooja Gaurang Kela	30	25000
23	Maninagar	Harishkumar Mahadev Lohiya	Mahadev G Lohiya	72	13891
25	Maninagar	Jitendra Chhaganlal Kella	Chhaganlal M Kella	75	170100
24	Maninagar	Jitendra Chhaganlal Kella	Chhaganlal M Kella	75	13500
26	Maninagar	Mayur Ashokbhai Rathi	Ashokbhai Rathi	61	35520
27	Maninagar	Pratish Nandlal Rathi	Deviben Rath	65	6309
28	Maninagar	Pratish Nandlal Rathi	Deviben Rath	65	5639
29	Maninagar	Shamdas Gordhandas Lohiya	Mandowari Slohiya	61	150000
30	Maninagar	Suryaprakash Pitamberdas Chandani	Pitamberdas Chandani	67	148821
31	Maninagar	Vikas Arjundas Rathi	Hemlataben A Rathi	67	27075
32	Maninagar	Vishal Arjandas Rathi	Arjundas J Rathi	70	49251
33	Memnagar	Suresh Dharoomal Karwa	Dharoomal Karwa	72	10985
34	Naranpura	Prakash Chaturbhuj Rathi	Chakshu P. Rathi	23	17564
35	Naroda	Amit Ramanlal Shah	Kaushlya Shah	51	14562
36	Naroda	Baldev Sukhdevbhai Mohnani	Sapna Ben Mohnani	31	18197
37	Naroda	Jugalkishor Madanlal Maheshwari	Madanlal S. Maheshwari	62	19200
38	Naroda	Umesh Karwa	Dipaliben Karwa	27	9994
40	Narol	Niteshkumar Bherulal Maheshwari	Bherulal Maheshwari	54	71990
39	Narol	Niteshkumar Bherulal Maheshwari	Bherulal Maheshwari	54	9200
41	Sabarmati	Mukesh Bhagwandas Maheshwari	Sonal Maheshwari	43	24450
43	Sabarmati	Rahulkumar Purshotam Maheshwari	Purshotam Ramwani	71	24900
42	Sabarmati	Rahulkumar Purshotam Maheshwari	Purshotam Ramwani	71	15250
44	Sabarmati	Rajesh Kantilal Maheshwari	Kantilal H Maheshwari	61	33772
45	Saijpur Bogha	Praveen Deumal Mohanani	Usha Mohanani	32	14105
46	Sanand	Ashokkumar Nandlal Maheshwari	Ashok Maheshwari	48	9623
48	Sanand	Kamlesh R Maheshwari	Ravishankar M Maheshwari	63	113528
47	Sanand	Kamlesh R Maheshwari	Ravishankar M Maheshwari	63	15536
49	Sanand	Sunilkumar Veerjibhai Ramwani	Virjibhai Ramwani	76	96000
50	Sardarnagar	Popatbhai Gautambhai Maheshwari	Ansuryaben	38	28500
51	Satellite	Loket Motilal Shah	Kiran Shah	28	30000
52	Shahibaug	Manoj Keshavlal Shah	Jankiben Shah	72	120000
54	Shahibaug	Prem A Maheshwari	Prgya P Maheshwari	2	160000
53	Shahibaug	Prem A Maheshwari	Prgya P Maheshwari	2	32000
55	Vastrapur	Arvind Dharumal Maheshwari	Kamladevi Maheshwari	67	16608
56	Vatva	Omprakash G Kachoriya	Hanjuben G Kachoriya	55	14814
57	Vejalpur	Mohiniben Rameshbhai Maheshwari	Mandodariben Maheshwari	24	113525
59	Vejalpur	Tansukh Maheshwari	Tansukh Maheshwari	50	13359
58	Vejalpur	Tansukh Maheshwari	Tansukh Maheshwari	50	11731
60	Viramgam	Paresh Keshubhai Shah	Kesubhai A Shah	36	18473
62	Ajarpura	Ashish Mahadev Maheshwari	Santaben Maheshwari	58	28269
61	Ajarpura	Ashish Mahadev Maheshwari	Mahadev Maheshwari	70	16000
63	Anand	BharatkumarTrikamlal Maheshwari	Mayuri Bharat Maheshwari	37	24000
64	Anand	Gopal M Maheshwari	Harsha Maheshwari	30	24000
65	Anand	Hareshkumar Vashudev Shah	Hareshkumar V. Shah	37	16450

67	Anand	Mayur Maheshwari	Arjun Bhai	60	58593
66	Anand	Mayur Maheshwari	Leena Maheshwari	28	16989
68	Anand	Prakashkumar Shah	Viriben Lalura	54	64116
69	Anand	Santoshkumar Ambaram Shah	Ambaram Shah	79	10076
70	Borsad	Bhaveshkumar Nandlal Rathi	Nandlal A Rathi	64	14476
71	Borsad	Bhwanishankar H Maheshwari	Kamlaben H Maheshwari	65	14084
72	Borsad	Dinesh Shah	Dinesh Shah	40	8892
73	Borsad	Krunal C Maheshwari	Aasha K Maheshwari	28	20653
74	Borsad	Lajpatrai B Maheshwari	Lajpatrai B Maheshwari	48	120000
75	Borsad	Mineshbhai Ashokbhai Shah	Hetal M Shah	27	27000
76	Borsad	Rajesh Jayshankar Maheshwari	Gomtiben Maheshwari	48	8541
77	Borsad	Rajeshbhai Jayshankar Maheshwari	Gomatiben Maheshwari	48	15603
79	Borsad	Rajeshkumar Tarachand Shah	Mandovariben Shah	70	120000
78	Borsad	Rajeshkumar Tarachand Shah	Priya R Shah	21	14774
80	Borsad	Shravan B Maheshwari	Manjula S Maheshwari	43	8524
82	Khambhat	Amrutlal Pratapbhai Maheshwari	Raniben Maheshwari	57	8701
81	Khambhat	Amrutlal Pratapbhai Maheshwari	Tushar Maheshwari	7	7792
83	Khambhat	Dhirajbhai Bhavanibhai Shah	Archanaben Shah	33	20744
84	Khambholaj	Devilaben Lekhraj Shah	Gordhandas M. Maheshwari	53	40000
86	Mogri	Ketankumar Pratapbhai Maheshwari	Pratap Maheshwari	52	17152
85	Mogri	Ketankumar Pratapbhai Maheshwari	Pratap Maheshwari	52	5110
87	Petlad	Chamanbhai Hathiram Maheshwari	Manvi Maheshwari	6	9428
88	Ralaj	Rameshbhai Murlidhar Maheshwari	Lataben R Maheshwari	34	32503
89	Ralaj	Rameshbhai Murlidhar Maheshwari	Lataben R Maheshwari	34	25000
90	Ranchhodpura	Tarachand M Maheshwari	Tarachand M Maheshwari	52	4136
91	Ranchhodpura	Tarachand Mansukhdas Maheshwari	Sumitra Maheshwari	45	3342
92	Sarsa	Dineshkumar Madanlal Maheshwari	Pushpaben M Maheshwari	56	21033
93	Sarsa	Dineshkumar Madanlal Maheshwari	Rinkoo D Maheshwari	27	20000
94	Sojitra	Rakeshkumar Vasudevbhai Maheshwari	Urmila V Maheshwari	55	25000
96	Sojitra	Rakeshkumar Vasudevbhai Maheshwari	Urmila V Maheshwari	55	23582
97	Sojitra	Rakeshkumar Vasudevbhai Maheshwari	Urmila V Maheshwari	55	11757
95	Sojitra	Rakeshkumar Vasudevbhai Maheshwari	Urmila V Maheshwari	55	3591
98	Tarapur	Amitkumar Shravankumar Maheshwari	Shravan C Maheshwari	58	36000
99	Tarapur	Chamanlal Maheshwari	Chamanlal Maheshwari	48	8263
100	Tarapur	Manojkumar Gautamdas Maheshwari	Gautam Maheshwari	60	28000
101	Tarapur	Ravishankar Keshavlal Maheshwari	Smit Maheshwari	10	15022
102	Tarapur	Vinodkumar Jawaharlal Maheshwari	Vinod J Mahehswari	33	28153
103	Bayad	Arjundas Maheshwari	Khushbu Maheshwari	24	19776
104	Meghrag	Ashok Tarachand Shah	Ashokbhai T Shah	53	10825
105	Modasa	Ankur Parsotamdas Shah	Nikita A Shah	19	16853
106	Modasa	Bharatkumar Maheshwari	Pratapbhai U Maheshwari	71	13633
107	Modasa	Jitendrakumar Shankarlal Rathi	Shankarlal Rathi	57	6200
109	Modasa	Khajurmal Dungarmal Maheshwari	Khajurmal Maheshwari	54	120000
108	Modasa	Khajurmal Dungarmal Maheshwari	Khajurmal Maheshwari	54	20000
110	Bajwa	Kailash P Maheshwari	Jayshree K Maheshwari	30	22800
111	Bhildi	Bharatkumar Gordhandas Maheshwari	Parthkumar Maheshwari	18	5229
113	Bhildi	Bhawanibhai Tansukhbhai Maheshwari	Tansukhdas Maheshwari	69	52238
112	Bhildi	Bhawanibhai Tansukhbhai Maheshwari	Tansukhdas Maheshwari	69	25803
115	Bhildi	Kapil Bhavanishankar Maheshwari	Bhawanishankar Maheshwari	55	56090
114	Bhildi	Kapil Bhavanishankar Maheshwari	Payal Maheshwari	25	25571
116	Chhapi	Amit M Maheshwari	Maheshkumar D Maheshwari	33	5000
117	Chhapi	Mehul Lajpatram Maheshwari	Pushpaben L Maheshwari	66	22600
118	Chhapi	Padmaben Bharatbhai Maheshwari	Jamnaben V Maheshwari	68	11093
119	Chhapi	Padmaben Bharatbhai Maheshwari	Jamnaben V Maheshwari	68	10984
120	Deesa	Dineshkumar Vedvyas Sharda	Jyoti	32	10903
121	Deesa	Sanjay Vijay Kumar Kella	Monam S Kella	32	51347
122	Dhanera	Abhimanyu Arjundas Maheshwari	Minaben Maheshwari	37	9132
123	Dhanera	Chandrkant Maheshwari	Harchand Maheshwari	70	8000
124	Dhanera	Chandrkant Maheshwari	Tulsiben Maheshwari	64	8000
125	Dhanera	Dharumal Motilal Rathi	Prakashi M Rathi	54	100755
126	Dhanera	Jayeshkumar Madanlal Maheshwari	Madanlal Maheshwari	70	120000
127	Dhanera	Lalitkumar Dipchand Rathi	Chirag L Maheshwari	19	9757
128	Dhanera	Laxmanbhi Maheshwari	Laxmanbhi Maheshwari	41	5000
129	Dhanera	Maheshkumar Maheshwari	Madhubala Maheshwari	62	69720
130	Dhanera	Pankajkumar Arjundas maheshwari	Neetaben Maheshwari	27	20000
131	Dhanera	Pravinkumar Chaturbhuj Maheshwari	Chaturbhuj B Maheshwari	70	16000

132	Dhanera	Rajeshkumar Nakhatmal Kela	Meet R Kela	9	67009
133	Dhanera	Rameshchandra Ranulal Maheshwari	Ranulal K Bhutra	77	3470
134	Dhanera	Shankarlal Tejaram Maheshwari	Sundraben T Maheshwari		89835
135	Dhanera	Trilokchand Jivrajbhai	Bhimanshu T Maheshwari	21	12530
136	Dhanera	Trilokchand Jivrajbhai	Bhimanshu T Maheshwari	21	5329
137	Palanpur	Anand Durgaprasad Kela	Kalavati D Kela	63	160000
138	Palanpur	Arjunbhai Bherulal Rathi	Bhargav Arjunbhai Rathi	14	21339
139	Palanpur	Chetankumar Hiralal Maheshwari	Nirmala C Maheshwari	39	98000
140	Palanpur	Chetankumar Hiralal Maheshwari	Hiralal Maheshwari	77	52179
141	Palanpur	Dinesh Tarachand Maheshwari	Vaishnavi Maheshwari	11	5530
143	Palanpur	Himanshu Ramwani	Labhshankar Ramwani	63	14398
144	Palanpur	Himanshu Ramwani	Savitridevi Maheshwari	63	4944
142	Palanpur	Himanshu Ramwani	Labhshankar Ramwani	63	1395
145	Palanpur	Jigarkumar Labhsankar Maheshwari	Dhropadiben Maheshwari	59	31764
146	Palanpur	Ketan Tarachand Maheshwari	Vinita Maheshwari	31	22637
147	Palanpur	Keyur Madhusudan Bachani	Madhusudan Bachani	66	20000
148	Palanpur	Maheshkumar Kasturchand Maheshwari	Maheshkumar Maheshwari	52	189000
149	Palanpur	Manish Ganeshbhai Maheshwari	Ganesh P Maheshwari	56	13418
150	Palanpur	Muneshkumar Trikambhai Shah	Deven M Shah	15	16215
151	Thara	Chirag Jitendrabhai Chandani	Pooja Chirag Chandani	27	13232
153	Tharad	Chandankumar Ravishankar Maheshwari	Jayshreeben C. Maheshwari	36	69960
152	Tharad	Chandankumar Ravishankar Maheshwari	Jayshreeben C. Maheshwari	36	30000
154	Tharad	Dilip L Maheshwari	Dilip L Maheshwari	40	1739
155	Tharad	Dilipkumar Chatrabhuj Maheshwari	Dipikaben D. Maheshwari	30	20456
156	Tharad	Jayeshkumar K. Maheshwari	Sonal Maheshwari	21	18871
157	Tharad	Jayeshkumar K. Maheshwari	Jayeshkumar K. Maheshwari	26	4152
158	Tharad	Kailash P Maheshwari	Premchand S Maheshwari	66	114000
159	Tharad	Lalitkumar Ravishankar Maheshwari	Jyostnaben L. Maheshwar	28	17323
160	Tharad	Manoj Keshavlal Maheshwari	Bhagwatiben K. Maheshwari	61	15012
161	Tharad	Prakashiben Tikamdas	Lalit Maheshwari	14	5565
162	Tharad	Sunilkumar Trikamlal Maheshwari	Sunita S Maheshwari	26	30000
163	Tharad	Trilok Keshavlal Maheshwari	Keshavlal V Maheshwari	65	27659
164	Tharad	Hitesh Chamanlal Maheshwari	Meghna Hitesh Maheshwari	29	24000
165	Vadgam	Anil M Maheshwari	Kavya A Maheshwari	3	5754
166	Vadgam	Bharatkumar Rasulal Maheshwari	Lataben B Maheshwari	40	48596
167	Barmer	Dineshkumar Nandlal Maheshwari	Dineshkumar Nandlal	32	30000
168	Barmer	Jigar Kella	Rudra Kella	6	24000
169	Barmer	Lunkaran Dharamdas Rathi	Sahil Rathi	15	11192
170	Barmer	Manish Rathi	Beena Manish Rathi	31	5595
171	Barmer	Mukeshkumar Dharamdas Rathi	Vidhaya Devi	70	87116
172	Barmer	Naresh Kella	Maganlal Kella	67	76000
173	Barmer	Rajesh Kumar Maheshwari	Kamla Devi	68	108990
174	Barmer	Rajkumar Vasudev Rathi	Mamtadevi Rathi	36	11995
175	Barmer	Ramesh Sharda	Bharti	31	18100
176	Chohtan	Deepak Kumar	Khushbu Devi	25	13895
177	Chohtan	Dilip Pratapamal Maheshwari	Pratapamal Mahehswari	62	24000
178	Chohtan	Kishorkumar Ravishankar Maheshwari	Manitadevi	32	44388
179	Chohtan	Kishorkumar Ravishankar Maheshwari	Manitadevi	32	15032
181	Chohtan	Lalit Madanlal Rathi	Himalay Rathi	10	29200
180	Chohtan	Lalit Madanlal Rathi	Himalay Rathi	10	4530
182	Chohtan	Maheshkumar Prabhulal Maheshwari	Maheshkumar Prabhulal	48	120000
183	Chohtan	Maheshkumar Prabhulal Maheshwari	Maheshkumar Prabhulal	48	30000
184	Chohtan	Pradipkumar Arjundas Maheshwari	PradeepKumar Maheshwari	43	37202
185	Chohtan	Pradipkumar Arjundas Maheshwari	PradeepKumar Maheshwari	43	32355
186	Chohtan	Shravankumar Kishanlal	Jignesh Shravan Kumar	19	12900
187	Dhorimana	Bharatkumar Arjunlal Gigal	Arjunkumar Gigal	68	71254
188	Gadhra Road	Prakashkumar Bhutra	Hemlata	41	36000
189	Dahej	Mahendrakumar Durgaprasad Akhani	Veerkumar Akhani	1	10167
190	Sarbhan	Ankit M Maheshwari	Vansh A Maheshwari	2	9902
191	Vagra	Harishbhai Vasudevbhai Maheshwari	Shantadevi H Maheshwari	39	116050
192	Vagra	Mukeshkumar Dungarmal Maheshwari	Dimpalben M Mahehswari	28	24744
193	Bodeli	Motilal Keshavlal Maheshwari	Priyankaben Maheshwari	31	30000
194	Bodeli	Premkumar Kirpaldas Maheshwari	Jenil Maheshwari	7	13718
195	Chiloda	Amrat Maheshwari	Ankita Maheshwari	26	25106
196	Chiloda	Harishkumar Maheshwari	Harishkumar Maheshwari	28	18576
197	Gandhinagar	Girishkumar Ramratan Maheshwari	Jayant Girish Maheshwari	15	12308

198	Gandhinagar	Lalitkumar Jhamnadas Kella	Jhamandas P Kella	76	160000
199	Gandhinagar	Lokesh Arjunbhai Maheshwari	Bhumi Maheshwari	29	27254
200	Gandhinagar	Pankajkumar Vijaybhai Mahweshwari	Ankitaben Maheshwari	18	12880
201	Mansa	Mukeshkumar Javaharlal Vaniya	Shilavatiben Vaniya	61	172500
202	Mansa	Vipulkumar Shravanbhai Maheshwari	Shantaben Maheshwari	52	150000
203	Jaipur	Kantilal Maheshwari	Kantilal Maheshwari	50	10473
205	Jaipur	Rohitkumar Maheshwari	Prakashidevi Maheshwari	66	43032
204	Jaipur	Rohitkumar Maheshwari	Prakashidevi Maheshwari	66	32600
206	Jaipur	Rohitkumar Maheshwari	Renuka Maheshwari	32	24000
207	Jaisalmer	Suresh Chandak	Krishna Chandak	77	29500
208	Bhinmal	Jitesh R Rathi	Khushboo J Rathi	28	5674
209	Jalore	Anilkumar Maheshwari	Shantidevi Maheshwari		19200
210	Raniwada	Bharatkumar Maheshwari	Bharatkumar	35	15000
211	Raniwada	Devandra Kumar Rathi	Devandra Kumar Rathi	31	22145
212	Raniwada	Jignesh Ravishankar Rathi	Ravishankar Rathi	62	79370
213	Raniwada	Jignesh Ravishankar Rathi	Ravishankar Rathi	62	30333
214	Raniwada	Kapilkumar Khetaram Maheshwari	Kavita K Maheshwari	24	150000
216	Raniwada	Mahendra A Maheshwari	Amolak K Maheshwari	56	7888
215	Raniwada	Mahendra A Maheshwari	Mehendra A Maheshwari	30	3231
217	Raniwada	Pravin Kumar Maheshwari	Kalpana Devi	31	20771
218	Raniwada	Sureshkumar Kishanlal Maheshwari	Kisanlal Maheahwari	67	20700
219	Sanchor	Ankit Sampatraj	Ankit Sampatraj	24	5084
220	Sanchor	Bharatkumar Lajpatray Maheshwari	Shavitridevi Maheshwari	60	12470
221	Sanchor	Bhavani Shankar Maheshwari	Pramila Maheshwari	34	6201
222	Sanchor	Bhavanishankar Ishwarlal Maheshwari	Mayank Maheshwari	6	1110
223	Sanchor	Dilipkumar Khimraj Sharda	Savitridevi Maheshwari	66	19200
224	Sanchor	Khempal Pitambardas Maheshwari	Khempal Maheshwari	44	189000
225	Sanchor	Mahesh Maheshwari	Mahesh Maheshwari	43	118522
226	Sanchor	Maheshkumar Dungarmal Maheshwari	Dungarmal Maheshwari	77	96000
227	Sanchor	Maheshkumar Dungarmal Maheshwari	Dungarmal Maheshwari.	77	32000
229	Sanchor	Narendrakumar Shishupal Bathar	Shisupal Bathar	70	52000
230	Sanchor	Narendrakumar Shishupal Bathar	Nirmala C Maheshwari	62	13000
228	Sanchor	Narendrakumar Shishupal Bathar	Rajveer Bathar	3	9589
231	Sanchor	Santoshkumar Sajjanmal	Dhiraj	15	5957
232	Sanchor	Shravankumar Murlidhar Maheshwari	Prakshidevi Maheshwari	68	11398
233	Sanchor	Subhash Bhanvarlal Maheshwari	Prince S Maheshwari	10	7003
234	Sanchor	Subhash Bhanvarlal Maheshwari	Bhanvar N Maheshwari	64	3422
235	Vagra	Vikram Hotchand Maheshwari	Rohini Vikram Maheshwari	25	5219
237	Kapadwanj	Pramodkumar Nandlal Chandak	Nandlal Shah	73	98400
236	Kapadwanj	Pramodkumar Nandlal Chandak	Nandlal Shah	73	27000
238	Kapadwanj	Vasudev Ranjumal Kadva	Sarasvatiben V Kadva	54	150000
242	Nadiad	Anil Kanhaiyalal Shah	Sushila Shah	26	16544
240	Nadiad	Anil Kanhaiyalal Shah	Kanaiyalal Shah	49	11391
239	Nadiad	Anil Kanhaiyalal Shah	Tulshiben Shah	40	2908
241	Nadiad	Anil Kanhaiyalal Shah	Tulshiben Shah	40	2583
243	Nadiad	Kamleshkumar Santramdas Shah	Gitaben Kamleshkumar Shah	33	14115
244	Nadiad	Vikram Santramdas Shah	Vasantiben Shah	57	28684
245	Bhachau	Nilesh Ghanshyambhai Maheshwari	Ganshyam Maheshwari	60	49294
246	Bhachau	Sandip Maheshwari	Mandodariben Maheshwari	66	18000
247	Gandhidham	Jashvant M Kela	Reena J Kela	27	15000
249	Kadi	Anilkumar Chtrabhuj Maheshwari	Mohiniben Maheshwari	61	19200
248	Kadi	Anilkumar Chtrabhuj Maheshwari	Mohiniben Maheshwari	61	18200
250	Kadi	Ankur Bhavanishankar Rathi	Premlataben Rathi	26	30000
251	Kadi	Bhavehskumar Lalchand Maheshwari	Lalchand Maheshwari	57	35531
252	Kadi	Chetankumar Arjunbhai Maheshwari	Chetankumar A. Maheshwari	34	31457
253	Kadi	Chiragkumar Ashokbhai Maheshwari	Jashodaben Maheshwari	46	5894
254	Kadi	Kishorekumar Hathibhai Maheshwari	Kishore Maheshwari	43	15000
256	Kadi	Mayur Keshavlal Mathrani	Rachana Mathrani	58	24000
255	Kadi	Mayur Keshavlal Mathrani	Rachana Mathrani	26	14295
257	Kadi	Mehul K Maheshwari	Kishan K Maheshwari	54	9242
259	Kadi	Mohanlal Pitambardas Maheshwai	Pitamberdas Maheshwari	78	19200
258	Kadi	Mohanlal Pitambardas Maheshwai	Pitamberdas Maheshwari	78	18000
260	Kadi	Rameshkumar Vasudev Maheshwari	Lokesh Maheshwari	14	16040
261	Kadi	Shankarlal Omkarmal Kella	Swarup Kella	19	60000
262	Thol	Pravin P Rathi	Chandrakant Rathi	61	3805
263	Thol	Ratanlal Mulchand Rathi	Kantaben	46	16638

264	Vijapur	Chandresh S Maheshwari	Chandresh S Maheshwari	40	7371
265	Vijapur	Vinodkumar Bekhatmal Maheshwari	Baby Leena Maheshwari	1	29000
266	Morbi	Bharatbhai Pitamberbhai Maheshwari	Bharatbhai P. Maheshwari	50	28672
267	Morbi	Bharatbhai Pitamberbhai Maheshwari	Bharatbhai P. Maheshwari	50	20000
268	Morbi	Maniben Bhathar	Jaydeep Bhathar	22	9988
269	Godhra	Mohanlal Nandlal Maheshwari	Mohanlal Nandlal	49	37496
270	Patan	Bharatkumar Ghanshyambhai Kella	Bharat Kella	55	9424
271	Patan	Girishkumar Bachani	Girish Kumar Bachani	49	20000
273	Patan	Kiritbhai Purshotamdas Malani	Kiritbhai Malani	49	98800
272	Patan	Kiritbhai Purshotamdas Malani	Kiritbhai Malani	49	35000
274	Patan	Mayurkumar Pitambardas Maheshwari	Shantaben P Maheshwari	58	12168
275	Patan	Naitik Dilipbhai Malani	Dilip Malani	58	24709
276	Patan	Naitik Dilipbhai Malani	Dilip Malani	58	5000
277	Patan	Narendra Ghanshyambhai Kella	Meenaben Kella	39	40512
278	Patan	Vishalkumar Satramdas Shah	Satramdas I Shah	75	135000
279	Morbi	Praful Shyamlal Lalwani	Indraben P. Lalwani	38	23224
280	Bayad	Pravin Pratapchand Rathi	Jyotiben P Rathi	44	20552
281	Bayad	Pravin Pratapchand Rathi	Kirtan P Rathi	3	6424
282	Punsari	Anilkumar Nandlal Maheshwari	Chandaben A. Maheshwari	36	22242
283	Talod	Amitkumar Lekhraj Shah	Ananya Shah	7	16000
284	Talod	Bhupendra Tuljaram Shah	Prakashiben T Shah	70	120000
285	Talod	Chetankumar Kalyandas Shah	Kalyandas Shah	63	42498
286	Talod	Chetankumar Kalyandas Shah	Daksh C Shah	1	11388
287	Talod	Chetankumar Kalyandas Shah	Manyaben C Shah	2	5177
288	Talod	Dineshkumar Madanlal Shah	Madanlal Shah	66	18000
290	Talod	Omprakash Mahadevbhai Shah	Omprakash M. Shah	55	36855
289	Talod	Omprakash Mahadevbhai Shah	Jigar Shah	24	17501
291	Talod	Omprakash Mahadevbhai Shah	Omprakash M. Shah	55	6000
292	Talod	Sureshkumar Chaturbhuj Shah	Chaturbhuj Shah	61	2584
293	Talod	Sandip S Chandak	Sarangram J. Chandak	65	42518
294	Bhathar Road	Pitamberbhai R Shah	Gomtiben P Shah	47	50000
295	Dumbhal	Hitesh Deepchand Lohiya	Mathuradevi Lohiya	63	160000
296	Piplod	Niteshkumar Omprakash Rathi	Omprakash S Rathi	54	18414
297	Surat	Chamanlal Maheshwari	Akash Maheshwari	17	6761
298	Surat	Dilipkumar Megharaj Sharda	Harsh Sharda	19	14721
299	Surat	Hiren Sharda	Parikshit Hiren Sharda	4	11055
300	Surat	Ompraksh Maheshwari	Nisha	18	6190
301	Surat	Rajesh Nakhatmal Sharda	Shantaben	59	240000
302	SNR	Khimpal Lajpatrai Sharda	Poonam Khimpal Sharda	28	30000
303	SNR	Pavan M Maheshwari	Lajwanti P. Maheshwari	27	24000
304	SNR	Prakashkumar Maheshwari	Indiraben Maheshwari	56	6870
305	SNR	Prakashkumar Maheshwari	Indiraben Maheshwari	56	2400
306	SNR	Prakashkumar Maheshwari	Indiraben Maheshwari	56	1451
307	SNR	Sunilkumar Gautambhai Maheshwari	Chandravati G Maheshwari	54	8402
308	Surendranagar	Dungarbhai Bhomjibhai Kela	Bhomjibhai Kela	78	6835
309	Bajwa	Jitendra N Maheshwari	Jitendra N Maheshwari	41	24000
310	Bajwa	Lalkumar Deumal Mohanani	Jyotikaben Mohanani	47	20000
311	Bajwa	Maheshkumar Mahadev Rathi	Mahadev Naryandas Rathi	76	121231
312	Bajwa	Maheshkumar Mahadev Rathi	Mahadev Naryandas Rathi	76	6926
313	Bajwa	Mitesh Kella	Prakashiben R Shah	74	16592
314	Bajwa	Rameshbhai Ladhuram Rathi	Jashodaben L Rathi	70	7044
315	Gorwa	Manish Rameshbhai Maheshwari	Rameshkumar Maheshwari	57	15924
316	Gorwa	Manoj Lajpatray Shah	Lajpatray Shah	69	69935
317	Gorwa	Manojbhai Lajpatray Shah	Lajpatray Shah	69	18000
318	Karjan	Dhirajkumar Harishbhai Maheshwari	Manjula H Maheshwari	46	50000
319	Manjalpur	Anilkumar R Maheshwari	Madhuri R Maheshwari	58	9016
320	Manjalpur	Anilkumar R Maheshwari	Madhuri A Maheshwari	58	548
321	Padra	Bhavanishankar Hundrajmal Maheshwari	Ishwariben H Maheshwari	62	16106
322	Padra	Chetankumar Kanjibhai Maheshwari	Chetan Maheshwari	35	7200
323	Padra	Chetankumar Kanjibhai Maheshwari	Durga Maheshwari	37	7200
324	Padra	Pitamberdas D Maheshwari	Pitamberdas Maheshwari	54	20266
325	Padra	Rohitkumar Bharatbhai Maheshwari	Kaushalyaben Maheshwari	55	17360
326	Padra	Jashodaben Chamanlal Maheshwari	Jashodaben C Maheshwari	59	6732
327	Vadodara	Arjunkumar Govindkumar Maheshwari	Kalpana A Maheshwari	28	19649
328	Vadodara	Omprakash Manmal Maheshwari	Manmal P Maheshwari	71	19200
					11029964

SR.NO.	AREA	MEMBER'S NAME
44	BARMER	VASUDEV PURSHOTTAMDAS MAHESHWARI
45	GADHRA ROAD	RAMESHKUMAR PRABHULAL BHUTDA
46	BODELI	GIRISHKUMAR GAUTAMDAS HARKUT
47	DELHI	AYODHYADEVI KISHANLAL SHARDA
48	GANDHINAGAR	ASHOKKUMAR GOPALDAS CHANDAK
49	GANDHINAGAR	CHIMANLAL RANULAL BHUTDA
50	MANSA	CHAMANLAL AMOLAKHDAS MAHESHWARI
51	MANSA	DILIPKUMAR RAVISHANKAR JIWANI
52	MANSA	HARISHKUMAR UTTAMCHAND RATHI
53	MANSA	VAGHJIMAL UTTAMCHAND RATHI
54	JAISALMER	ARJUNLALJASRUPDAS CHANDAK
55	SAYLA	TARACHAND MOOLCHAND MANSUKHANI
56	KAPADWANJ	BHERULAL MANEKLAL LALWANI
57	KAPADWANJ	CHOITHRAM KRIPALDAS MAHESHWARI
58	KAPADWANJ	SHRAVANKUMAR RAJUMAL MAHESHWARI
59	NADIAD	GHANSHYAM HARIRAM SHARDA
60	GANDHIDHAM	A.N.KELLA, ADVOCATE
61	GANDHIDHAM	DR. HASMUKH VINDOOMAL KELLA (KARMANI) & HARDIP PLYWOOD INDUSTRY PRIVATE LIMITED, GANDHIDHAM
62	GANDHIDHAM	JETHANAND KOJRAJ LADHAD PARIWAR
63	GANDHIDHAM	RAVIPRAKASH BHOMRAJ JAGANI
64	GANDHIDHAM	PARUMAL KHAJUROMAL RAMWANI

SR.NO.	AREA	MEMBER'S NAME
65	KADI	BHAVANISHANKAR RAVISHANKAR MAHESHWARI
66	KADI	DINESHKUMAR BEKHATMAL MAHESHWARI
67	KADI	SHANKARLAL OMKARMAL KELLA
68	MORBI	GAUTAMBHAI TOLARAMA KACHORIA
69	MORBI	HARISHBHAI CHANDIRAM KELLA
70	MORBI	PARESHKUMAR GHANSHYAMDAS KACHORIA
71	MORBI	PRAVINKUMAR SWAROOPCHAND KELA
72	MORBI	VIMALKUMAR PRAKASHBHAI KACHORIA
73	MUMBAI	MOHANLALTEJOMAL RATHI (GOPANI)
74	PATAN	KISHOREKUMAR KHETARAM MAHESHWARI
75	HIMATNAGAR	KISHANLAL MANEKLAL RATHI
76	TALOD	ASANDAS TIKAMDAS CHANDAK (LACHHANI PARIWAR)
77	TALOD	REVATIDEVI DOONGARMAL CHANDAK
78	SURAT	PRAVINCHANDRA RAMESHKUMAR CHANDAK
79	SURENDRANAGAR	ABHIMANYU BHUPATRAM BHUTDA
80	SURENDRANAGAR	KIRANKUMAR MAHADEVBHAI RATHI
81	SURENDRANAGAR	MADANLAL MAHADEVBHAI RATHI
82	SURENDRANAGAR	RAMESHKUMAR B. BHUTDA & MADANLAL B. BHUTDA
83	DABHOI	LEKHRAJ CHHUGALAL MAHESHWARI
84	PADRA	CHIMANLAL HARIRAM BHUTDA
85	PADRA	PITAMBERDAS KHUSHALDAS MAHESHWARI
86	VADODARA	BHAGWANDAS HEMRAJ KELLA
87	VADODARA	JUGALKISHORE DHARUMAL MAHESHWARI
88	VADODARA	SUNILKUMAR JAGDISHCHANDRA GIGAL

Sr. No.	District	Area	Name of the Beneficiary	Amount
1	Ahmedabad	Ahmedabad	Ginsha Jawaharlal Maheshwari	9762
2	Ahmedabad	Ahmedabad	Mahadevbhai M Maheswari	52172
3	Ahmedabad	Ahmedabad	Mamta Tushar Shah	19762
4	Anand	Anand	Mahadevbhai Lekharajbhai Maheshwari	60000
5	Anand	Anand	Nandlal Utamchand	19800
6	Anand	Anand	Tarachand Laxmandas Maheshwari	19678
7	Banaskantha	Chhapi	Ankit R Maheshwari	28422
8	Banaskantha	Deesa	Hiralal P.Maheshwari	12605
9	Banaskantha	Deesa	Lalit Vikram Maheshwari	52976
10	Banaskantha	Palanpur	Ashokkumar Jethalal Kella	37775
11	Banaskantha	Palanpur	Ishwariben Dharamdas Kella	60000
12	Banaskantha	Tharad	Anveshaben Prakashbhai Maheshwari	6387
13	Barmer	Barmer	Mohini Jayprakash Mathrani	12800
14	Barmer	Barmer	Reena Sharda	19433
15	Bharuch	Bharuch	Ankit Manilal Maheshwari	16442
17	Bharuch	Bharuch	Thirpaldas Parshuram Maheshwari	17250
18	Gandhinagar	Mansa	Kanta Sharda	18939
19	Kheda	Nadiad	Maulik Harishbhai Maheshwari	28491
20	Kheda	Nadiad	Puspaben M Maheshwari	19762
21	Kutchh	Gandhidham	Gayatri Jaidev Rathi	18036
22	Kutchh	Gandhidham	Vasudev A.Rathi	27505
23	Mehsana	Thol	Rameshkumar Vasudev Maheshwari	12972
24	Mehsana	Thol	Ratanlal Mulchanddas Rathi	60000
25	Morbi	Morbi	Krishna Praful Lalwani	3834
26	Surat	Surat	Govind Meghraj Karwa	60000
28	Vadodara	Karjan	Shah Lajpatkumar Nandalal	13147
29	Vadodara	Vadodara	Ishwariben Hundrajmal Maheshwari	60000

कबड्डी

कबड्डी एक ऐसा खेल है, जिसमे कई खेलें मिश्रित है। इसमें रेसलिंग, रग्बी आदि खेलों का मिश्रण देखने को मिलता है। इसका मुकाबला दो दल के बीच होता है। ये एक तरफ बहुत ही जबरदस्त खेल है वही दूसरी तरफ कई कसरतों का मेल भी है। समय के साथ इस खेल का बहुत विकास हुआ है। आज ये जिला, राज्य, राष्ट्रिय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेला जा रहा है। बहुत बड़े पैमाने पर खेलेजाने की वजह से कई नौजवान कबड्डी में दिलचप्सी भी लेने लगे है, और अपने क्षेत्र की कबड्डी के क्लब से जुड़कर कबड्डी के जरिये अपना भविष्य और अपनी पहचान बनाने की कोशिश में लगे है। इस खेल को विभिन्न जगहों में विभिन्न नाम से जाना जाता है। जसै तमिलनाडु में कबड्डी को चादूकट्ट, बंगलादेश में हद्दू, मालद्वीप में भवतिक, पंजाब में कुड्डी, पूर्वी भारत में हु तू तू, आंध्रा प्रदेश में चेडुगुडु के नाम से जाना जाता है। कबड्डी शब्द मूलत: एक तमिल शब्द ''काई-पीडी'' शब्द से बना है जिसका मतलब है हाथ थामे रहना। तमिल शब्द से निकलने वाला शब्द कबड्डी उत्तर भारत में बहुत मशहूर है।

इस खेल का उद्भव प्राचीन भारत के तमिलनाडु में हुआ था। आधुनिक कबड्डी इसी का संशोधित रूप है। जिसे विभिन्न जगहों पर अन्य कई नामो से जाना जाता है। यह विश्वस्तरीय ख्याति सन 1936 में बर्लिन ओलिम्पिक से मिली। सन 1938 में इसे कलकत्ता में राष्ट्रीय खेलो में सम्मलित किया गया। सन 1950 में अखिल भारतीय कबड्डी फेडरेशन का गठन हुआ और कबड्डी खेले जाने के नियम मुकर्रर किये गए। इसी फेडरेशन को ''अमैच्योर कबड्डी फेडरेशन ऑफ इंडिया'' के नाम से सन 1972 में पुनर्गठित किया गया। इसका प्रथम राष्ट्रीय टूर्नामेंट चेन्नई में इसी साल खेला गया।

कबड्डी को जापान में भी बहुत ख्याति मिली। वहाँ इस खेल को सुंदर राम नामक भारतीय ने सन 1979 में सबके सामने रखा। सुंदर राम उस समय के 'अमैच्योर कबड्डी' के एशियाई फेडरेशन की जानिब से इस खेल को लेकर जापान गए थे। वहाँ उन्होंने लोगों के साथ मिलकर दो महीने तक इसका प्रचार किया। सन 1979 में इस खेल का भारत और बांग्लादेश के बीच का मुकाबला भारत में ही खेला गया। सन 1980 में इस खेल के लिए एशिया चैंपियनशिप का आगाज किया गया। जिसमे भारत ने बांग्लादेश को हरा कर इस टूर्नामेंट को जीता। इस टूर्नामेंट में इन दो देशो के अलावा नेपाल, मलेशिया और जापान भी थे। इस खेल को एशियाई खेल में सन 1990 में शामिल किया गया। इस दौरान इस खेल को बीजिंग में कई अन्य देशो के बीच मुकाबले के साथ खेला गया।

कबड्डी खेल की मुख्य विशेषता (Kabaddi Game Features):

ये खेल दो दलों के बीच होता है। इसमें एक दल आक्रामक और दूसरा दल परिरक्षक के रूप में होता है। आक्रामक दल से एक एक करके खिलाड़ी परिरक्षक के क्षेत्र में परिरक्षकों को हारने के लिए आते है। परिरक्षकों द्वारा इस एक के बाद एक आते हुए परिरक्षकों को पकड़ना होता है। इस खेल का विस्तृत वर्णन निचे दिया गया है।

अन्तराष्ट्रीय कबड्डी (International Kabaddi):

कबड्डी के अंतर्राष्ट्रीय स्तर के दलों में प्रत्येक दल में 7 खिलाड़ी होते हैं। खेल का मैदान दो दलों में बराबर भागों में बंटा होता है। पुरुषों द्वारा खेले जाने वाले

कबड्डी में मैदान का क्षेत्रफल (10X13) का होता है, वहाँ स्त्रियों द्वारा खेले जाने वाले कबड्डी में मैदान का क्षेत्रफल (8X12) का होता है। दोनों दलों में तीन अतिरिक्त खिलाड़ी मौजूद होते हैं। ये खेल दो 20 मिनट के अंतराल पर खेला जाता है, जिसके बीच खिलाड़ियों को पांच मिनट का हाफ–टाइम मिलता है। इस हाफ टाइम के दौरान दोनों दल अपना कोर्ट बदल लेते हैं।

कबड्डी के नियम:

विभिन्न तरह से खेले जाने की वजह से कबड्डी के कई विभिन्न नियम हैं। इसके मूल नियम नीचे दिए जा रहे हैं।

- यह एक 'हाइली कांटेक्ट स्पोर्ट' है, जिसमे किसी खिलाड़ी का मुख्य उद्देश्य अपने विरोधी दल के कोर्ट में जा कर, उन्हें छू कर सफलता पूर्वक वापस अपने कोर्ट में आना होता है। इस दौरान जाने वाला खिलाड़ी कबड्डी कबड्डी कहते हुए जाते है।
- प्रत्येक मैच 40 मिनट का होना चाहिए। इस दौरान खिलाडी विरोधी टीम के कोर्ट में 'रेड' करता है। रेड करने वाले खिलाडी को रेडर कहते हैं। किसी खिलाड़ी द्वारा उसके विरोधी दल के कोर्ट में प्रवेश करते ही रेड शुरू हो जाती है।
- रेडर को संभालने वाले विरोधी दल के खिलाड़ी को डिफेंडर कहते हैं। डिफेंडर के पास रेडर को आउट करने के मौके अवस्थानुसार मिलते हैं। किसी भी रेड का अधिकतम समय 30 सेकंड होता है। रेड के दौरान रेडर को कबड्डी कबड्डी का रट लगाना होता है, जिसे चैंट कहा जाता है।
- रेडर द्वारा डिफेंडर के कोर्ट में एक बार प्रवेश कर जाने पर रेडर दो तरह से पॉइंट अर्जित कर सकता है। इसमें पहला बोनस पॉइंट और दूसरा टच पॉइंट होता है।

इस खेल में कुछ पॉइंट निम्न तरह से अर्जित किये जाते है।

बोनस पॉइंट: डिफेंडर के कोर्ट में छः या छः से अधिक खिलाड़ियों की मौजूदगी में यदि रेडर बोनस लाइन तक पहुँच जाता है तो रेडर को बोनस पॉइंट मिलता है।

टच पॉइंट : रेडर द्वारा एक या एक से अधिक डिफेंडर खिलाड़ियों को छू कर सफलता

आभार – निहारीका रविया पूर्वक अपने

कोर्ट में वापस आ जाने पर टच पॉइंट मिलता है. ये टच पॉइंट छुए गये डिफेंडर खिलाड़ियों की संख्या के बराबर होता है. छुये गये डिफेंडर खिलाडियों को कोर्ट से बहार कर दिया जाता है।

टैकल पॉइंट : यदि एक या एक से अधिक डिफेंडर, रेडर को 30 सेकंड तक डिफेंड कोर्ट में ही रहने पर मजबूर कर देते हैं, तो डिफेंडिंग टीम को इसके बदले एक पॉइंट मिलता है।

आल आउट: यदि किसी टीम के सभी खिलाडियों को उसकी विरोधी टीम पूरी तरह से आउट करके मैदान से

बाहर करने में सफल हो जाती है, तो इसके एवज में जीती हुई टीम को 2 अतिरिक्त बोनस पॉइंट मिल जाते है।

एम्प्टी रेड: बौकल लाइन को पार करने के बाद यदि रेडर बिना किसी डिफेंडर को छुए या बिना बोनस लाइन को छुए वापस आ जाता है, तो इसे एम्प्टी रेड माना जाएगा। एम्प्टी रेड के दौरान किसी भी टीम को कोई पॉइंट नहीं मिलता।

डू ओर डाई रेड: यदि किसी टीम द्वारा लगातार दो एम्प्टी रेड हो जाता है तो तीसरे रेड को 'डू ओर डाई' रेड कहा जाता है। इस रेड के दौरान टीम को आवश्यक तौर पर या तो बोनस या टच पॉइंट अर्जित करना पड़ता है। ऐसा नहीं करने पर डिफेंडर टीम को एक अतिरिक्तपॉइंट मिलता है।

सुपर रेड : जिस रेड में रेडर तीन या तीन से अधिक पॉइंट अर्जित करता है, उस रेड को सुपर रेड कहा जाता है। ये तीन पॉइंट बोनस और टच को मिला कर भी हो सकता है या सिर्फ टच पॉइंट भी हो सकता है।

सुपर टैकल: यदि डिफेंडर टीम में खिलाड़ियों की संख्या तीन या तीन से कम हो जाती है, और वो टीम किसी रेडर को सँभालने और आउट करने में सफल हो जाती है तो इसे सुपर टैकल कहते हैं। सुपर टैकल के लिए डिफेंडर टीम को एक अतिरिक्त पॉइंट भी मिलता है। इस पॉइंट का इस्तेमाल आउट हुए खिलाडी के पुनर्जीवन के लिए नहीं किया जा सकता है।

कबड्डी में गोल्डन रेड:

इस दौरान एक टॉस होता है, टॉस जीतने वाले टीम को गोल्डन रेड का मौका मिलता है। इस दौरान बौलक लाइन को बोनस लाइन माना जाता है। दोनों दलों को एक एक बार इसका मौका मिलता है। इसके बाद भी यदि टाई की ही अवस्था बनी रही, तो विजेता टॉस के जरिये मुकर्रर किया जाता है।

भारतीय कबड्डी के प्रकार:

कबड्डी खेल के चार बहुत विख्यात प्रारूप हैं, जिसे भारत में खेला जाता है। इसे भारत के अमैच्योर कबड्डी फेडरेशन द्वारा आयोजित किया जाता है।

संजीवनी कबड्डी :– इस कबड्डी में खिलाडियों के पुनर्जीवन का नियम होता है। विरोधी दल के खिलाडी को आउट करने पर आक्रामक दल से बाहर हुए खिलाड़ियों में से एक को पुनर्जीवन मिल जाता है, और वह अपने दल की तरफ से फिर से खेलने लगता है। ये खेल भी ४० मिनट का होता है। जिसे खेलने के दौरान एक पांच मिनट का हाफ टाइम मिलता है। दो दलों में सात सात खिलाड़ी मौजूद होते है, और जो

दल अपने विरोधी के सभी खिलाडियों को आउट कर देता है, उसे बोनस के तौर पर अतिरिक्तचार पॉइंट मिलते हैं।

जेमिनी स्टाइल: — कबड्डी के इस प्रारूप में भी दोनों दलों में सात सात खिलाड़ी मौजूद होते हैं। खेल के इस प्रारूप में खिलाडियों को पुनर्जीवन नहीं मिलता, यानि किसी दल का एक खिलाड़ी यदि खेल के दौरान मैदान से आउट होकर बाहर जाता है, तो वह तब तक बाहर रहता है जब तक खेल समाप्त न हो जाए। इस तरह जो दल अपने विरोधी दल के सभी खिलाड़ियों को मैदान से बाहर करने में सफल हो जाता है, तो उस दल को एक पॉइंट मिलता है। इस तरह से ये खेल पाँच या सात पॉइंट तक चलता है, यानि पूरे खेल में पांच या सात मैच खेले जाते हैं। इस तरह के मैच के दौरान समय तय नहीं रहता।

अमर स्टाइल:— अमैच्योर कबड्डी फेडरेशन द्वारा आयोजित खेल का यह तीसरा प्रारूप है। ये प्रारूप अक्सर संजीवनी प्रारूप की ही तरह होता है, जिसमें समयावधि तय नहीं होती। इस तरह के खेल में आउट होने खिलाड़ी को मैदान से बाहर नहीं जाना पड़ता है। आउट होने वाला खिलाड़ी मैदान में रह कर आगे का खेल खेलता है। आउट करने के एवज में आक्रामक दल के खिलाड़ी को पॉइंट की प्राप्ति होती है।

पंजाबी कबड्डी: यह इस खेल का चौथा रूप है। इसे एक वृत्तिय परिसीमा के अन्दर खेला जाता है। इस वृत्त का व्यास 72 फिट का होता है। इस कबड्डी की भी तीन शाखाएं हैं, जिनके नाम लम्बी कबड्डी, सौंची कबड्डी और गूंगी कबड्डी है।

ये सभी प्रारूप क्षेत्र विशेष में अधिक खेले जाते हैं।

कबड्डी में प्रमुख मुकाबले (Kabaddi Tournaments)

कबड्डी विभिन्न उम्र के लोग विभिन्न स्तर पर खेल सकते हैं. इस वजह से इसके कई बेहतरीन मुकाबले जिला, राज्य, राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर होते हैं। नीचे कुछ प्रमुख मुकाबलों का जिक्र किया जा रहा है।

एसियन गेम्स:— इस खेल को एसियन गेम्स के तहत सन 1990 से खेला जा रहा है। भारत की कबड्डी टीम इस

मुकाबले में सात स्वर्ण पदक जीत चुकी है। बांग्लादेश ने भी अपना प्रदर्शन इस मुकाबले में बहुत अच्छा किया है, और अपना स्थान दुसरे नम्बर पर दर्ज कराया है।

एशिया कबड्डी कप :— एशिया कबड्डी कप

आभार - निहारीका रविया भी बहुत मशहूर टूर्नामेंट है। ये प्रतिवर्ष सिलसिलेवार ढंग से दो बार आयोजित किया जाता है। सन 2011 में इसका अभिषेकात्मक मुकाबला ईरान में किया गया था। इसके एक साल बाद सन 2012 में एशिया कबड्डी कप का आयोजन पकिस्तान के लाहौर में किया गया था। ये 1 नवम्बर 2012 से ५ नवम्बर 2012 तक खेला गया था, जिसमे एशिया महादेश में आने वाले लगभग सभी देशों ने

भाग लिए था। इस टूर्नामेंट को एक तकनीकी चाल की सहायता से पाकिस्तानी टीम जीत गयी थी।

कबड्डी विश्वकप: कबड्डी विश्वकप कबड्डी का सबसे अहम् मुकाबला है, जिसमे विश्व के कई देशों की टीम भाग लेती है। पहली बार सन 2004 में इस टूर्नामेंट का आयोजन हुआ था। इसके बाद सन 2007 में इसे खेला गया। सन 2010 के बाद से इसे प्रति वर्ष खेला जा रहा है। भारत विश्वकप के सभी टूर्नामेंट को जीतता रहा है। सन 2016 में विश्वकप का आयोजन गुजरात के अहमदाबाद में किया गया था। इस टूर्नामेंट में बारह देशों ने भाग लिया था। इस टूर्नामेंट को भी भारतीय टीम ने अनूप कुमार की कप्तानी में जीता है। इस टूर्नामेंट के फाइनल मैच में भारत ने ईरान की टीम को 38-29 के स्कोर से हराया। भारतीय कबड्डी टीम विश्व भर में सबसे अधिक सफल टीम के रूप में सामने आई है। इस विश्वकप में पकिस्तान को किन्ही राजनैतिक कारणों से आमंत्रित नहीं किया गया था।

वीमेन'स कबड्डी: — वीमेन'स कबड्डी विश्वकप महिला खिलाड़ियों के लिए विश्व स्तरीय टूर्नामेंट है। इसे पहली बार भारत के पटना राज्य में सन 2012 में आयोजित किया गया था। भारतीय महिला टीम ने इस टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले के दौरान ईरान को हरा कर विश्व स्तर पर अपना नाम दर्ज कराया। इसके बाद 2013 के मुकाबले में डेब्यू की हुई न्यूजीलैंड की टीम को हराकर भारतीय महिला टीम ने फिर से एक बार फतह का परचम लहराया।

प्रो कबड्डी लीग: — सन 2014 में प्रो कबड्डी लीग की स्थापना हुई। ये क्रिकेट में होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग की तरह आयोजित किया गया। इस लीग के दौरान मार्केटिंग पर अधिक ध्यान दिया गया। इसका सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स पर किया जाता है। भारतीय टेलीविजन पर पीकेएल (प्रो कबड्डी लीग) बहुत अधिक पसंद किया गया, और लगभग 435 मिलियन दर्शकों द्वारा देखा गया। इसका पहला मैच लगभग 86 मिलियन दर्शकों द्वारा देखा गया था।

यू के कबड्डी कप: — इस खेल को इंग्लैंड में भी बहुत ख्याति मिली, जिस वजह से वहाँ 'यू के कबड्डी

कप' का आयोजन किया जाने लगा। सन 2013 में इसका आयोजन कई राष्ट्रीय दलों के साथ किया गया। इन दलों में भारत, पकिस्तान, इंग्लैंड, अमेरीका, कनाडा आदि की भागीदारी देखने मिली। इस टूर्नामेंट में पंजाब की वृत्तीय (सर्किल) स्टाइल कबड्डी खेली

जाती है।

विश्व कबड्डी लीग: — विश्व कबड्डी लीग का गठन साल 2014 में हुआ। इन लीग में आठ दल और चार देशों

का सम्मलेन देखा गया, इस देशों में कनाडा, इंग्लैंड, पकिस्तान और यूनाइटेड स्टेट अमेरिका है। इस लीग की कुछ टीमों के मालिक पूर्णतया या आंशिक रूप से कई अभिनेतायें हैं। इन अभिनेताओं में अक्षय कुमार खालसा वोर्रिएर्स, रजत बेदी पंजाब थंडर, सोनाक्षी सिन्हा यूनाइटेड सिंहस और यो यो हनी सिंह यो यो टाइगर्स के मालिक हैं। इस लीग का अभिषकात्मक सीजन सन 2014 के अगस्त से दिसम्बर के महीने के बीच खेला गया था, जिसमे टीम यूनाइटेड सिंहस, जो कि इंग्लैंड के बिर्मिंघम का अभिवेदन कर रही थी, की जीत हुई।

- सुरेश के राठी
- नविन पी. कड़वा

AIFDMS (ऑल इंडिया फेडरेशन ऑफ ढाट माहेश्वरी समाज) ने गौ सेवा के लिए सामूहिक तौर पर शुरुआत की है। पिछले काफी दिनो से चर्चा हो रही थी और सभी बंधुओ के मनमे भी भावना थी की गौ- माता की सेवा होनी चाहिए। यू तो गौ सेवा हमारे मनमे सहज रूप से है। हमे कोई समजाये या ना समजाये, हमारे मनके भीतरी कोने में गौ सेवा का महत्व है। गौ सेवा हर कोई व्यक्तिअपने हिसाब से करता है। जैसे गाय को रोटी देना, बड़े त्यौहारों के दिनों में गाय को घास डालना, रस्ते घुमती बीमार गाय का इलाज करवाना वगेरे। बड़े शहरों में रहते हुए इसमें से कुछ चीजोकी शक्यताये नहीं है लेकिन हम हमारे संस्कारो से गौ सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। तब यह ख्याल सबके मनमे आया की ऐसी व्यवस्था बने जिसमे सभी परिवारो .का गौ सेवा में योगदान हो और गौ सेवा की प्रस्तावित व्यवस्था निरंतर चलती रहे। तब AIFDMS की वर्किंग कमिटी ने प्रस्ताव रखा कि एक राशि एकत्र की जाये और पांजरापोल (जो कोई भी एरिया में हो) उसे दी जाये, इस सुझाव का सबने स्वागत किया। जिसके लिए 5100 Per Family Rs. 31st March तक एकत्रित किया जाये और इस बातको समाज के सामने रखा और तकरीबन ५०० परिवारोने इसकी

स्वीकृति दी। और प्रस्ताव आया की हर ढाटी बंधु के घर गौ सेवा कलेक्शन बॉक्स (Donor Box)पहुंचाया जाये और इस बॉक्स में अपनी श्रद्धा अनुसार अनुदान किया जाये। और वह अनुदान की राशि गौ सेवा के लिए पांजरापोल को डोनेट की जाये।

इस सेवकिया प्रवृत्ति की बात को लेकर एक धार्मिक समारोह का आयोजन किया गया। इस गौ-सेवा मिलन समारोह अहमदाबाद के वस्त्रापुर इलाके के भास्कर राय पंड्या हॉल में बड़े धार्मिक वातावरण में आयोजित किया गया। जिसमे अश्विनजी पाठक का सुन्दर कांड तथा समाज के दानवीरो का सन्मान तथा जय वसावड़ा का गौ सेवा के ऊ पर व्याख्यान रखा गया। इस प्रोग्राम के अंत में पुरे साल में किस तरह इसका अमलीकरण हो उस विषय पर राउंड टेबल चर्चा हुई। इस कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी इस तरह है।

प्रातः 8 बजे से मेहमानो (गौ-भक्तो) का हॉल पर आगमन शुरू हुआ। मन मे सेवाकिय भाव रखने वाले प्रतिनिधि हर गांव या शहर से उपस्थित थे। सुबह चाय नाश्ता के पश्चात अश्विनजी पाठक का सुन्दर कांड था। अश्विनजी पाठक का समय मिलना ही समाज के लिए सौभाग्य-पूर्ण था। सुन्दर कांड के पठन से वातावरण भक्तिभाव-मय हो गया। श्रोताओ ने सुन्दर कांड को बड़े भाव से सुना और पावन होने का एहसास किया। उसके पश्चात समाज के दानवीरो का सन्मान हुआ। जिस मे आणंद से मदनलालजी सांजीरा, अहमदाबाद से करणमलजी डूंगरमलजी भूतड़ा और तलोद से राजकुमारजी डूंगरमलजी चांडक (लच्छानी) जिन्होंने 5000 कलेक्शन बॉक्स के लिए प्रति परिवार ने 4 लाख रुपये का अनुदान दिया था।

दोपहर की महाप्रसादी के पश्चात जय वसावड़ा जी का गौ सेवा पर व्याख्यान 'JOY OF GIVING ' था। उन्होंने बड़ी सहजता से गौ सेवा का महत्व, गाय के दूध और घी और उससे बनी विविध चीजों का महत्व समझाया। । जय वसावड़ा बड़े वक्ता है, विविध विषयो पर बोलना ही उनका काम (Profession) है। उन्होंने बताया की करीबन ६ साल पहले उनके गले में तकलीफ होने लगी। जैसे ही बोलना चालू करते, तो उनकी स्वर-नली फूल जाती थी और गले में दर्द

के कारण बोल नहीं पाते थे। तब उन्होंने मुंबई की एक बड़ी अस्पताल जिसका नाम लीलावती है उसमे सबसे बड़े डॉक्टर को दिखाया। उन्होंने सलाह दी कि आप बोलना बंद किजीये वरना स्वर-नली डैमेज हो जाएगी। तब वे डॉक्टर को हसकर बोले कि, साहब भाषण देना ही मेरा पेशा (धंधा) है और में उसे कैसे बंद करू और वह परेशान रहने लगे। तब उनकी मुलाकात एक जैन मुनि से हुई जो बड़े ज्ञानी और अनुभवी थे। उन्होंने इनको बताया कि आप जब भी भाषण देने जाओ तब उसके पूर्व एक कप गाय का गरम दूध और उसमे 1-2 चमच गाय का घी मिलाके, उसका सेवन करके जाये। और उन्होंने उसका प्रयोग चालू किया और चमत्कार हुआ कि आज करीबन 6 साल से निरंतर प्रयोग कर रहे है और उन्हें अभी तक कोई तकलिफ नहीं हुई। यह सच्चा प्रसंग सबके मन को भा गया । उसके अलावा और कई फायदे भी बताये। गाय माता में 33 करोड़ देवी-देवताओ का निवास है। नयी पीढ़ी के लोग बड़े अचम्बे से सुन रहे थे।

प्रोग्राम के अंतिम चरण में राउंड-टेबल चर्चा हुई जिसमे प्रमुख श्री वासुदेवजी भूतड़ा, गौ सेवा के अध्यक्ष ताराचंदजी शारदा, ताराचंदजी केला, आई.पी. माहेश्वरी, पी. सी. राठी, गौतम जी केला, महेशजी चांडक इत्यादि लोगों ने आपने सुझाव अवं प्रस्ताव रखे के और इसके साथ मीटिंग पूर्ण हुई और गौ सेवा के कार्यक्रम की सार्थकता सिद्ध हुई।

इसी बीच एक नाम लेना चाहूंगा की श्री अर्जुनलालजी राठी (गोपानी) जो गोपाल गौ-सेवा बाड़मेर में काफी प्रवृद्ध है और बड़ी प्रतिबद्धता से गौ सेवा का कार्य कर रहे है वह भी समारोह में उपस्थित थे। उनकी उपस्थिति हमारे लिए Motivational थी।